@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 2 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 360 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सभी जिला प्रशासनों को प्रभावित क्षेत्रों का पूरा सर्वेक्षण कराने तथा किसानों को तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश

कौमी पत्रिका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने चौरी-चौरा के क्रान्तिकारियों की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि चौरी-चौरा का नाम इतिहास में क्रान्ति धरा के रूप में वर्णित है। यह वही धरती है, जिसने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अनेक अमर क्रान्तिकारियों को जन्म दिया। पं0 राम प्रसाद बिस्मिल, शहीद बन्धू सिंह, राजा हरि प्रसाद मल्ल और चौरी-चौरा के वीर बलिदानियों ने स्वतंत्रता आन्दोलन को नई दिशा देने का कार्य किया। मुख्यमंत्री जी आज जनपद गोरखपुर में चौरी-चौरा विधान सभा क्षेत्र की 287 करो? रुपये से अधिक लागत की चौरी-चौरा-भोपा बाजार-मुण्डेरा बाजार-सोनबरसा मार्ग पर सम्पार संख्या-147 बी पर रेल उपरिगामी सेतु सहित 84 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इनमें 45 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 39 परियोजनाओं का शिलान्यास सम्मिलित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रशस्ति पत्र, बीज किट, प्रतीकात्मक चाभी आदि प्रदान किये। उन्होंने शहीद स्मारक स्थल चौरी-चौरा पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान जनपद गोरखपुर एवं विधान सभा चौरी-चौरा की विकास यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दीपावली एवं छठ महापर्व से पूर्व लोकार्पित एवं शिलान्यास की गयी परियोजनाओं को चौरी-चौरा विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के लिए उपहार हैं। यह परियोजनाएं विकास की नई धारा है, जो क्षेत्र की कनेक्टिविटी, व्यापार, रोजगार और नागरिक सुविधाओं को नई गति प्रदान करेगी। इन परियोजनाओं में चौरी-चौरा-भोपा बाजार-मुण्डेरा बाजार-सोनबरसा मार्ग पर स्थित रेलवे सम्पार संख्या-147-बी पर निर्मित फ्लाईओवर क्षेत्र



के आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि साइक्लोन के कारण हुई बेमौसम बारिश, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। पहले भी मुआवजा दिया गया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। डबल इंजन सरकार किसानों को हुए नुकसान की पूरी भरपाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिए गए हैं कि वह प्रभावित क्षेत्रों का पूरा सर्वेक्षण कराएं और किसानों को तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराएं। सरकार किसानों के लिए एक नया पैकेज लेकर आएगी, जिसके माध्यम से उनकी फसल को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। सरकार अन्नदाता किसानों के हितों की रक्षा और उनकी खुशहाली के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भोपा बाजार रेलवे लाइन के कारण यह क्षेत्र दो हिस्सों में बंट जाता था। पहले यहां घण्टों जाम लगा रहता था और आवागमन बाधित होता था। देवरिया जाने वाले लोगों को रेलवे क्रॉसिंग पर आधा-आधा घण्टा तक जाम में फंसे रहना पड़ता था। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने लम्बे समय से यहां पुल निर्माण की मांग उठाई थी। आज फ्लाईओवर का निर्माण पूरा होने से क्षेत्रवासियों की पुरानी मांग साकार हुई है। इस फ्लाईओवर को यहां के क्रान्तिकारियों के सम्मान में क्रान्तिकारी ओवरब्रिज अथवा शहीद स्मारक ओवरब्रिज के रूप में जाना जाना चाहिए। इससे आने वाली पीढ़ियां इस धरती के बलिदानियों के योगदान को याद रखेंगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुल निर्माण में जितना धन खर्च हुआ, उससे अधिक धन मुआवजे में खर्च किया गया, क्योंकि सरकार की प्राथमिकता थी कि क्षेत्र का आवागमन बाधित न हो और बाजार तक पहुंच बनी रहे। दुकानों को तोड़े बिना बाजार की सुविधा सुरक्षित रखने का प्रयास किया गया। जहां दुकानें बचाई जा सकती थीं, वहां उसी के अनुरूप डिजाइन तैयार करने की व्यवस्था की गई, ताकि किसी व्यापारी को अनावश्यक कष्ट न हो। व्यापारी केवल एक व्यवसायी नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उसका कारोबार चलता है तो रोजगार का सृजन होता है और बाजार में सर्कुलर इकोनॉमी संचालित होती है। यही देश की प्रगति का आधार बनती है। सरकार व्यापारियों की सुरक्षा और उनके सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया गया है। बेटियों की सुरक्षा और व्यापारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। ऐसे अपराध करने वालों को जेल अथवा कठोर दण्ड का सामना करना पड़ेगा। चौरी-चौरा में विकास, रोजगार और किसानों के चेहरों पर खुशहाली का परिवर्तन दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चौरी-चौरा नगर पंचायत में नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कार्यालय भवन की आवश्यकता बताई थी। इसके दृष्टिगत पहले भूमि की व्यवस्था कराई जाए, उसके बाद सरकार भवन निर्माण के लिए धनराशि उपलब्ध कराएगी। नगर पंचायत क्षेत्र को सी0सी0टी0वी0 कैमरों से कवर किया जाएगा। स्वच्छता, सुरक्षा और पार्किंग की व्यवस्था को एकीकृत प्रणाली के माध्यम से संचालित किया जा सकेगा, जिससे सभी व्यवस्थाओं की निगरानी एक स्थान से हो सकेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र और निवास प्रमाणपत्र जैसी सेवाएं भी एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। युवाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की पहल भी की जाएगी।



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्रीअयोध्या धाम अपने दसवें भव्य एवं दिव्य दीपोत्सव के स्वागत के लिए पुलकित है। *दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और आस्था से विकास की यात्रा का प्रतीक है।* ***यह मात्र दीप प्रज्वलन नहीं, अपितु भारत की सनातन चेतना के पुनर्जागरण तथा सांस्कृतिक गौरव का महापर्व है।*** *दीप की छोटी-सी लौ सिखाती है कि गहन अंधकार में भी प्रकाश की एक किरण नई आशा का संचार करती है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन की स्मृति से जुड़े इस पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।*

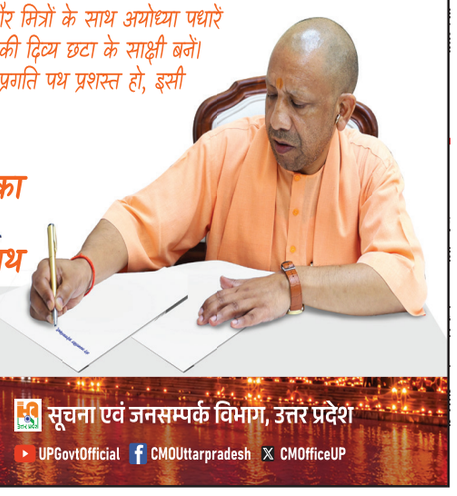
दीपोत्सव से हमारा सनातन संबंध केवल परंपराओं से नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों से भी है। *14 वर्षों तक भरत जी ने राजसुख त्याग कर प्रभु श्रीराम की चरण-पादुकाओं को सिंहासन पर प्रतिष्ठित रख अयोध्या के राज्य का संचालन किया। रामायण का यह प्रेरक प्रसंग हमें सिखाता है कि सत्ता का वास्तविक अर्थ अधिकार नहीं, दायित्व है। अयोध्या का दीपोत्सव त्याग, मर्यादा और समर्पण की इसी भावना को विश्वपटल पर प्रतिष्ठित कर रहा है।* ***मां सरयू के तट पर सजी दीपमाला, राम की पैड़ी पर लाखों दीपों की जगमग मानो अयोध्या में आकाश गंगा उतर आई हो। ड्रोन के माध्यम से आकाशीय प्रस्तुतियां और कलाकारों की सहभागिता इस महोत्सव को अलौकिक भव्यता प्रदान करती है।***

आस्था और जनभागीदारी को विकास की शक्ति बनाकर उत्तर प्रदेश ने उत्सव प्रदेश के रूप में नई पहचान स्थापित की है। हमारा स्पष्ट विश्वास है कि ***जहां प्रकाश है, वहां सुरक्षा का वास है। जहां सुरक्षा है, वहां निवेश के अवसर हैं। जहां निवेश है, वहां विकास है। जहां विकास है, वहीं रोजगार तथा सुख समृद्धि है। यही उत्सवधर्मिता का आधार है। दीपोत्सव आस्था और अर्थव्यवस्था का संगम भी है। इससे कुम्हारों, पुष्प विक्रेताओं और होटल व्यवसायियों सहित स्थानीय व्यापारियों के लिए रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ते हैं।***

मैं आप सभी से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि यदि आपके आस-पड़ोस में कोई वंचित परिवार है, तो अपने सामर्थ्य के अनुसार उसकी दीपावली भी आलोकित करें। *दीये, मिठाइयां और नए वस्त्र भेंट कर उसके जीवन में प्रसन्नता का संचार करें। यही दीपोत्सव की सच्ची भावना है। विशेषकर युवा, दीपक के प्रकाश की तरह सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ें, नकारात्मकता से दूर रहें,* ***अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, क्योंकि स्वच्छता में ही श्री जी का वास है।*** ***स्थानीय कारीगरों के दीप एवं उत्पाद खरीदकर उनके परिश्रम को प्रोत्साहन दें।***

मेरी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने परिवार और मित्रों के साथ अयोध्या पधारें तथा प्रभु श्रीराम की पावन नगरी में भव्य दीपोत्सव की दिव्य छटा के साक्षी बनें। हर घर में खुशहाली हो, हर मन में सद्भाव हो और प्रगति पथ प्रशस्त हो, इसी मंगलकामना के साथ...

सियावर रामचंद्र की जय।



आपका
योगी आदित्यनाथ

ज्योतिर्मय यूपी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

रामलीला मैदान: राहुल बोले-ज्ञानेश कुमार को भेजेंगे जेल, खरगे ने कहा-मोदी को हटाएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली के दौरान विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोकतंत्र को कमजोर करने और विपक्ष को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। वहीं, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने एसआईआर और मतगणना को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने भी कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाया। विपक्ष की रैली में किसने क्या कहा पि?ए.... रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में %चोरी सरकारें% हैं। भाजपा को सत्ता से बेदखल किए बिना हम चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी हमें डराने के लिए ईडी जैसी सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं क्योंकि हम सभी जानते हैं कि कैसे लड़ना है। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- पीएम मोदी हमें बांटने की कोशिश कर रहे हैं, वह लोगों के वोट छीनने की कोशिश कर रहे हैं। रामलीला मैदान की रैली में कहा मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- अगर मोदी जाएंगे तो ही लोकतंत्र बच सकता है। राहुल ने कहा कि मैं स्टेज से कहना चाहता हूं। मैं जो कहता हूं वो होता है न। मैंने कोविड-19 के बारे में बोला, सच हुआ। मैं आपको स्टेज से कह रहा हूं कि ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा। ज्ञानेश कुमार हिंदुस्तान में जेल जाएगा। और अगर यह आम चोरी नहीं है कि किसी ने दुकान से थोड़ी सी छोटी चोरी कर ली। उसके लिए जेल होती है। इन्होंने नॉर्मल चोरी नहीं की है। यह हिंदुस्तान के हर नागरिक के आवाज की चोरी है। इसको कानूनी गलियारों में रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस कहते हैं। इसे देशद्रोही कहते हैं, इसे ट्रीजन कहते हैं और ज्ञानेश कुमार के बिना न नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनता, न अमित शाह गृह मंत्री बनता। आरएसएस इस देश की सारी संस्थाओं को कैप्चर कर लिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सीबीआई, ईडी, न्यायपालिका, नौकरशाही, पुलिस सारी की सारी संस्थाएं, जो आपकी हैं, वह नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आरएसएस की नहीं, युवाओं की संस्थाएं हैं। वह इन्होंने कैप्चर कर रखी हैं।

चमोली हेलीकॉप्टर हादसा

दून एयरपोर्ट पहुंचे मृतक सभी श्रद्धालुओं के शव, इंडिगो के विमान से भेजे घर

एजेंसी

नई दिल्ली। चमोली के ज्योर्तिमठ में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में मृतक सभी छह लोगों के शवों को आज रेस्क्यू टीमों ने निकाल लिया। इसके बाद शवों को एम्स ऋषिकेश भेजा गया था। जहां से शवों को देहरादून एयरपोर्ट लाया गया और इंडिगो के विमान से उनके घर भेजा गया।बता दें कि शुक्रवार को बदरीनाथ से सहस्त्रधारा हेलीपैड आ रहे ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर पहाड़ी से टकराकर क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट समेत छह लोगों की मौत हुई थी। पायलट हिमांशु सभरवाल (48) के शव को सड़क मार्ग से उनके घर दिल्ली भिजवाया गया। प्रताप (41), वीबी शंकर गौड़ा (39), सुधीर के (50), एचएस नटराजा (51)



के शवों को इंडिगो बंगलुरू की फ्लाइट से बंगलुरू भिजवाया गया है। वहीं, अरूण सालुके (44), के शव को इंडिगो की फ्लाइट से पहले दिल्ली भिजवाया गया है।

भारतीय रेलवे: आठ कोच, 557 यात्री और 249 किमी की रफ्तार; ऐसी होगी भारत की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए देश की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन तैयार की जा रही है। बंगलूरू स्थित बीईएमएल प्लांट में बन रही इस ट्रेन को भारतीय मौसम और जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसकी अधिकतम टेस्ट स्पीड 280 किमी प्रति घंटा और परिचालन गति 249 किमी प्रति घंटा होगी। करीब 202 मीटर लंबी ट्रेन में आठ कोच होंगे। इनमें चार मोटर कार और चार ट्रेलर कार शामिल हैं। एक बार में 557 यात्री सफर कर सकेंगे। सात कोच स्टैंडर्ड क्लास और एक एग्जीक्यूटिव क्लास का होगा। दिव्यांग यात्रियों के लिए दो विशेष



सीटें भी रहेंगी।इस ट्रेन में आरामदायक सीटों के साथ पर्याप्त लेगरूम, सामान रखने के रैक और भारी बैग के लिए अलग स्टैंड होंगे। मोबाइल और लैपटॉप चार्ज करने के लिए पावर सॉकेट भी मिलेंगे। हर सीट की कतार के पास चौड़ी खिड़कियां होंगी। कोच में एलईडी लाइट और आधुनिक बायोडाइजेस्टर टॉयलेट भी लगाए जाएंगे। यात्रियों को एलसीडी डिस्प्ले पर हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी मिलेगी। अनाउंसमेंट सिस्टम के अलावा आपात स्थिति में ट्रेन के कर्मचारियों से सीधे बात करने की सुविधा होगी। वाई-फाई के जरिए यात्री पहले से लोड मनोरंजन सामग्री भी देख सकेंगे। दिव्यांग यात्रियों के लिए खास इंतजाम

ट्रेन के फर्श की ऊंचाई प्लेटफॉर्म के बराबर रखी गई है। दरवाजों पर ऑटोमैटिक फुट स्टेप होंगे, जिससे चढ़ना-उतरना आसान होगा। व्हीलचेयर के लिए चौड़े दरवाजे और विशेष टॉयलेट बनाए जाएंगे। दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए ब्रेल लिपि में सूचना बोर्ड भी होंगे। हर कोच में दो एचवीएवी यूनिट लगेंगी।

सपा नेता आजम खान को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता मोहम्मद आजम खान को जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के अगले दिन, रविवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गाजियाबाद एमपी-एमएलए न्यायालय ने यह आदेश पारित किया और निर्देश दिया कि खान 13 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए सपा नेता के वकील दानिश अली ने कहा कि आज आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मणिपुर के सेनापति में दो लापता कुकी युवकों के शव मिले, तनाव बढ़ा



एजेंसी

मणिपुर। मणिपुर के सेनापति जिले में शनिवार को दो लापता कुकी-ज़ो युवकों के शव मिले हैं। इससे एक दिन पहले नोनी जिले में हथियारबंद बदमाशों के साथ गोलीबारी में इसी समुदाय के तीन लोग मारे गए थे। मरने वालों की पहचान 20 साल के पाओगिनलाल हैंगसिंग और 20 साल के टिंगिनलुन चोंगलोई के तौर पर हुई है, जो 28 अक्टूबर को तफौ कुकी गांव से लापता हो गए थे। उनके शव को कांगपोकपी ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि के बाद तनाव बना हुआ है। युवकों को लापता होने के बाद सदर हिल्स की कमिटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (CoT) ने उनकी तुरंत और सुरक्षित रिहाई की मांग करते हुए कांगपोकपी जिले में 48 घंटे का टोटल शटडाउन बुलाया था। यह शटडाउन रविवार को भी जारी रहा।

सर्च ऑपरेशन में जुटी टीमें

मणिपुर पुलिस कंट्रोल रूम के मुताबिक, दोनों युवकों के लापता होने के बाद कई सर्च ऑपरेशन शुरू किए गए। शुरुआती सर्च में मणिपुर पुलिस, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) और असम राइफल्स की जॉइंट टीमें शामिल थीं। रविवार को, मणिपुर पुलिस, कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन (CoBRA), CRPF, असम राइफल्स और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) की एक जॉइंट टीम ने नेशनल हाईवे-2 के पूरब में सेनापति फाइबुंग रोड के पास आम इलाके में एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले आप को झटका

दो विधायकों ने पार्टी से दिया इस्तीफा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसके बाद अब विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जोड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा का नाम शामिल हैं। चेतन सिंह जोड़ामाजरा ने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा, 'मैं, चेतन सिंह जोड़ामाजरा, आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं।' वहीं, सनौर से विधायक हरमीत सिंह



पठानमाजरा ने लिखा, 'मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा सौंपता हूं।

हैदराबाद पुलिस ने एग डोनेशन रैकेट का किया भंडाफोड़, 43 महिलाओं को बचाया; 8 गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय रैकेट का पर्दाफाश किया है, जिसमें महिलाओं को 'ओओसाइट डोनेशन' के लिए लाया जाता था। जांचकर्ताओं को शक है कि ढ्ढङ्क्रन्न और फर्टिलिटी सेंटरों के जरिए इन महिलाओं का कमर्शियल शोषण किया जा रहा था। कई जगहों के एक साथ की गई छापेमारी में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया और पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों की 43 महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। यह ऑपरेशन बेगमपेट और सरूरनगर पुलिस ने मलकजगिरी कमिश्नरेट की 'स्पेशल ऑपरेशंस टीम' के साथ मिलकर चलाया। मलकजगिरी और हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले प्रकाश नगर, बेगमपेट, एर्रागड्डा, सरूरनगर और गोपालपुरम के इलाके में ये छापे मारे गए। शुरुआती जांच के अनुसार, इन महिलाओं को हर 'एग डोनेशन साइकिल' के बदले 20,000 से 30,000 रुपये देने का लालच देकर हैदराबाद बुलाया गया था। एजेंटों ने अलग-अलग राज्यों से इन महिलाओं को इकट्ठा किया, उनके आने-जाने का इंतजाम किया और उन्हें किराए के मकानों में रखा, जिसके बाद उन्हें फर्टिलिटी सेवाओं से जुड़े लोगों के पास भेज दिया गया। कुछ महिलाओं ने जांचकर्ताओं को बताया कि इस प्रक्रिया की तैयारी के लिए उन्हें हार्मोनल इंजेक्शन और दवाइयां दी गई थीं।

कारोबार प्रभावित होने से सीपी के व्यापारियों में नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में दीवाली के दौरान विरोध प्रदर्शनों को लेकर व्यापारियों ने चिंता जाहिर की है। व्यापारियों के मुताबिक, रविवार को सीपी का व्यापार बुरी तरह प्रभावित रहा। सैंकड़ों दुकानों में कोई बिक्री नहीं हुई। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने बताया कि सीपी में मौजूद सभी पार्किंग रैली में आए लोगों के वाहनों से भरी रही। इस कारण व्यापारियों को परेशानी हुई। रैली को देखते हुए कई व्यापारियों ने दुकानें खोली ही नहीं। वहीं, जो खुली भी थीं, उनमें दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। उन्होंने कहा कि अक्तूबर के पहले सप्ताह से चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के कारण करोड़ों रुपये के कारोबार का नुकसान हो चुका है। अब दीवाली पर भी इसी तरह के हालात बन रहे हैं। विरोध-प्रदर्शनों के कारण कनॉट प्लेस के साथ ही राजधानी के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों खान मार्केट, चांदनी चौक, सरोजिनी मार्केट पर भी असर पड़ा है।

दोहरे हत्याकांड के आरोपी को जमानत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंडावली थाना क्षेत्र में 13 वर्ष पहले दो मासूमों का अपहरण कर हत्या करने के मामले में आरोपी पंकज उर्फ टोटू को कोर्ट से झटका लगा है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने जेल में बंद आरोपी की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि भले ही मामले में लंबी कैद भुगती जा चुकी हो और इसी आधार पर हाईकोर्ट ने दूसरे सह-आरोपी को राहत दे दी हो, लेकिन इस मामले का ट्रायल अब अंतिम दौर में है। ऐसे में आरोपी को रिहा नहीं किया जा सकता। विशेष न्यायाधीश अभिषेक श्रीवास्तव की अदालत में आरोपी के वकील ने दलील दी कि मामले में सह-आरोपी अमित कुमार को हाईकोर्ट ने लंबी कैद के आधार पर इसी साल दो सितंबर को जमानत दे दी थी। पंकज ने भी इसी आधार पर जमानत मांगी थी।

पार्किंग के विवाद में सगे भाइयों को पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मयूर विहार फेज-3 में पार्किंग के विवाद में कुछ युवकों ने दो सगे भाइयों की बुरी तरह पिटाई कर दी। मारपीट के बाद आरोपियों ने पीड़ितों के घर में तोड़फोड़ कर शीशे भी तोड़ दिए। पुलिस चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता आदित्य कपूर परिवार के साथ घड़ोली एक्सटेंशन की राजवीर कॉलोनी में रहते हैं। 27 अक्तूबर की रात करीब 10:45 बजे वह मयूर विहार फेज-3 की जीडी कॉलोनी में रहने वाले अपने बड़े भाई अश्विनी कपूर के घर गए थे। घर से करीब 50 मीटर पहले उन्होंने देखा कि अमित भाटी नामक युवक अपने तीन-चार साथियों के साथ पार्किंग को लेकर उनके भाई अश्विनी से गाली-गालौज कर रहा है। आदित्य ने बीच-बचाव किया तो आरोपियों ने दोनों भाइयों से मारपीट शुरू कर दी। दोनों भाइयों की बुरी तरह पिटाई करने के बाद आरोपियों ने अश्विनी के घर में घुसकर तोड़फोड़ करते हुए शीशे तोड़ डाले। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व अधिकारी समेत चार आरोपमुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के पूर्व अधिकारी डॉ. एस. ईश्वर रेड्डी समेत चार आरोपियों को भ्रष्टाचार के मामले में आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि सीबीआई की ओर से पेश सामग्री से आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता। सबूतों से न तो कथित आपराधिक साजिश साबित होती है और न ही आरोप तय करने के लिए जरूरी मजबूत संदेह पैदा होता है। विशेष न्यायाधीश विशाल पाहूजा की कोर्ट ने आदेश में डॉ. ईश्वर रेड्डी, अनिमेष कुमार, गुलजीत सेठी उर्फ गुलजीत चौधरी और प्रवीण कुमार लक्ष्मीनारायण उर्फ एल. प्रवीण कुमार को आरोपमुक्त कर दिया। अदालत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 250 के तहत यह आदेश दिया, जो पुराने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 227 के अनुरूप है। अदालत ने डॉ. ईश्वर रेड्डी के खिलाफ लगे रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोपों पर कहा कि अभियोजन की ओर से पेश सामग्री इन आरोपों को प्रथम दृष्टया साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कथित रकम की बरामदगी से जुड़े साक्ष्य भी आरोपों की पुष्टि नहीं कर सके। अदालत को ऐसा पर्याप्त आधार नहीं मिला कि सरकारी अधिकारियों ने अनुचित लाभ के बदले अपने आधिकारिक कर्तव्यों का बेईमानी से निर्वहन किया।

कपिल मिश्रा का कांग्रेस पर हमला, दीपावली के धरने को बताया दोहरा रवैया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने इंडिया गठबंधन की महारैली को लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर विपक्ष धरना-प्रदर्शन कर रहा है, जबकि क्रिसमस के दौरान उसके नेता विदेश में छुट्टियां मनाते हैं। कपिल मिश्रा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए कहा कि देश में यह प्रक्रिया 12 बार हो चुकी है, जिनमें 10 बार कांग्रेस की सरकारों के कार्यकाल में इसे पूरा किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस प्रक्रिया को लेकर जानबूझकर भ्रम फैला रहा है, क्योंकि उसके पास जनता के बीच जाने के लिए कोई वैकल्पिक राजनीतिक मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और त्योहारों का सम्मान होना चाहिए। यदि लोग क्रिसमस पर छुट्टियां मनाते हैं तो उन्हें दीपावली का त्योहार भी शांतिपूर्वक मनाने देना चाहिए। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची में गड़बड़ी के विरोध में रामलीला मैदान में महारैली आयोजित की है। इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी दलों के कई नेता शामिल हुए हैं।

तेज रफ्तार बाइक फिसलने से डिलीवरी ब्वॉय की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में रविवार सुबह तेज रफ्तार बाइक के फिसलने से 20 वर्षीय डिलीवरी ब्वॉय की मौत हो गई। हादसे में युवक का 18 वर्षीय साथी घायल हो गया। युवक पेशे से डिलीवरी ब्वॉय था और साथी को फ्लिपकार्ट में इंटरव्यू दिलाने जा रहा था। डीसीपी राहुल अलवाल के मुताबिक, रविवार की सुबह करीब 9:55 बजे नंद नगरी पुलिस को हादसे की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची, तो क्षतिग्रस्त बाइक मिली। लोगों ने बताया कि हादसे में घायल दोनों युवकों को पास के राजीव गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में पुलिस को पता चला कि गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो चुकी है। मृतक की पहचान ज्योति नगर के ईस्ट गोकलपुरी निवासी आर्यन के रूप में हुई है। वह अपने बड़े भाई मनीष के साथ किराए के मकान में रहता था और फ्लिपकार्ट में डिलीवरी ब्वॉय था। वहीं, हादसे में घायल युवक की पहचान अमर कॉलोनी निवासी देव के रूप में हुई है। उसे प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। देव ग्रेजुएशन कर रहा है। उसे नौकरी की जरूरत थी और आर्यन के माध्यम से फ्लिपकार्ट में इंटरव्यू देने जा रहा था। जांच में पता चला है कि दोनों भोपुरा बॉर्डर की ओर बढ़े ही थे कि तभी बाइक फिसल गई और आर्यन का सिर सीधे डिवाइडर से जा टकराया। इससे उसकी मौत हो गई।

एम्स में टीबी उन्मूलन को लेकर विशेषज्ञों ने की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एम्स में देश को टीबी मुक्त बनाने के अभियान को गति देने के लिए कई मुद्दों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। इस संबंध में टीबी उन्मूलन का व्यापक नजरिया - पोषण, शहरी स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण पर तकनीकी चर्चा विषय पर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक के पहले सत्र में केंद्र सरकार के टीबी मुक्त भारत अभियान पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि टीबी की रोकथाम और इलाज के लिए केवल दवाइयां ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि मरीजों के खानपान, रहन-सहन और आसपास के वातावरण पर भी ध्यान देना जरूरी है। चर्चा के दौरान टीबी और सामाजिक परिस्थितियों के बीच संबंध पर भी प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने बताया कि शहरी बस्तियों में बढ़ती आबादी, भीड़भाड़, छोटे घरों और साफ हवा की कमी के कारण टीबी फैलने का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

1984 की हिंसा पर रेखा गुप्ता का गांधी परिवार पर हमला

-मुख्यमंत्री बोलीं- यह लोकतंत्र की हत्या थी, हरदीप पुरी ने बताया सुनियोजित नरसंहार ; भाजपा ने निकाला विरोध मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी।
वर्ष 1984 में सिख समुदाय के खिलाफ हुई हिंसा को लेकर दिल्ली में रविवार को राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए 1984 की घटनाओं को लोकतंत्र की हत्या करार दिया। वहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उस हिंसा को सामान्य दंगा मानने से इनकार करते हुए सुनियोजित नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध बताया। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में विरोध मार्च निकाला और कांग्रेस से सिख समुदाय से माफी मांगने की मांग की।

काली पट्टियां बांधकर निकाला विरोध मार्च

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और पार्टी के अन्य नेताओं ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में हिस्सा लिया। इस दौरान नेताओं और प्रदर्शनकारियों ने 1984 की हिंसा में मारे गए सिखों की स्मृति में सिर पर काली पट्टियां बांधीं।

भाजपा नेताओं ने पश्चिमी दिल्ली के हरि नगर से तिलक नगर तक विरोध मार्च निकाला। इसमें दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका सहित कई सिख नेताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए 1984 की हिंसा के लिए माफी मांगने की मांग की।

गांधी परिवार ने बार-बार की लोकतंत्र की हत्या : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज सिख समुदाय उन लोगों से सवाल पूछ रहा है, जो अपने साथ संविधान की प्रति रखते हैं और लोकतंत्र की बात करते हैं। नवंबर 1984 में जो हुआ, क्या वह लोकतंत्र की हत्या नहीं थी? उन्होंने आरोप लगाया कि इस हिंसा के लिए गांधी परिवार जिम्मेदार था।
उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने बार-बार लोकतंत्र की हत्या की है। इंदिरा गांधी ने 1975 में, राजीव गांधी ने 1984 में और राहुल गांधी आज ऐसा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि चुनी हुई सरकारों को चुनौती देकर और देश में अराजकता फैलाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।
रेखा गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस प्रायोजित नरसंहार में अपने प्रियजनों को खोने वाले हजारों सिख परिवार आज भी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके परिवारों का दुख आज भी बरकरार है। उन्होंने सवाल किया कि क्या गांधी परिवार ने कभी इन पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना के शब्द कहे हैं? मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की पदयात्रा में शामिल सिख समुदाय के लोग कांग्रेस और उसके सहयोगियों से जवाब मांग रहे हैं कि उन्हें न्याय कब मिलेगा और उनकी चिंताओं का समाधान कब होगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता अराजकता और अशांति फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराएगी।

2,733 सिखों की हुई थी हत्या, वह दंगा नहीं नरसंहार था : पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 1984 की हिंसा को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में उस दौरान 2,733 लोगों की हत्या हुई थी। इस घटना को सामान्य तौर पर दंगा कहा जाता है, लेकिन इसके लिए सही शब्द नरसंहार है।
पुरी ने कहा कि यह हिंसा अचानक भड़की घटना नहीं थी, बल्कि सुनियोजित हत्याकांड था। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से इस पूरे मामले पर गंभीरता से विचार करने और सिख समुदाय से माफी मांगने की बात कही।
केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जब 1984 में हिंसा शुरू हुई थी, तब वह जिनेवा में थे। उस दौरान दिल्ली में रह रहे उनके माता-पिता की उनके हिंदू मित्रों ने सुरक्षा की थी। उन्होंने कहा कि उस हिंसा की पीड़ा आज भी प्रभावित परिवारों के मन में मौजूद है।



कांग्रेस की रैली की तारीख पर भी उठाए सवाल

भाजपा नेताओं ने रविवार को रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की %वोट बचाओ, देश बचाओ% महारैली की तारीख पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि 31 अक्टूबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय के खिलाफ हिंसा शुरू हुई थी, जो 3 नवंबर तक जारी रही थी। ऐसे में 1 नवंबर को रैली आयोजित करना सिख समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला है।
रेखा गुप्ता ने भी इस संदर्भ में अपने परिवार से जुड़ा अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि हिंसा के दौरान एक सिख पड़ोसी ने उनके माता-पिता के घर में शरण ली थी। उन्होंने कहा कि उस समय अपनी पहचान छिपाकर जान बचाने के लिए कई सिखों को अपने बाल तक कटवाने पड़े थे।
भाजपा नेताओं ने कहा कि 1984 की हिंसा के पीड़ित परिवार आज भी न्याय की मांग कर रहे हैं। विरोध मार्च के माध्यम से पार्टी ने कांग्रेस से इस घटना की जिम्मेदारी स्वीकार करने और सिख समुदाय से माफी मांगने की मांग दोहराई।

लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है, जब नागरिक जागरूक रहें : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है, जब नागरिक जागरूक रहें, लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान हो और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की जाए। लोकतंत्र की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए प्रत्येक नागरिक की जागरूकता, सहभागिता और प्रतिबद्धता आवश्यक है। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को दिल्ली के रोहिणी स्थित सेक्टर-8 के अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' जन-जागरूकता गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस गोष्ठी का आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संवैधानिक संस्थाओं को सशक्त बनाने तथा जिम्मेदार नागरिकता के सिद्धांतों को बनाए रखने के महत्व के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया।



सभा को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों के विश्वास और उनकी सक्रिय भागीदारी में निहित है। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों के सम्मान तथा जवाबदेही, पारदर्शिता और कानून के शासन के सिद्धांतों के अनुरूप लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को संचालित करने के महत्व पर बल दिया।
विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन की एक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह जनता की सामूहिक इच्छा और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि सुशासन सुनिश्चित करने और संविधान की भावना को बनाए रखने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखना, रचनात्मक जन-संवाद को प्रोत्साहित करना तथा विघटनकारी प्रवृत्तियों को अस्वीकार करना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।
इस गोष्ठी में दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली नगर निगम के महापौर प्रवेश वाही तथा निगम पार्षद रीता गोयल और स्मिता कौशिक सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक नेताओं ने भी भाग लिया।
गोष्ठी में लोकतांत्रिक जागरूकता, जनभागीदारी तथा भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों और संस्थाओं के संरक्षण में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर विचार-विमर्श किया गया।

उपराज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने दिल्ली के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अपनी चिरंतन विरासत से लेकर अपनी जीवंत मिली-जुली संस्कृति तक, दिल्ली एक एकजुट भारत की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक 'विकसित दिल्ली' के निर्माण की दिशा में काम करें, जिसमें आधुनिक विकास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सुंदर संगम हो। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कहा कि इंद्रप्रस्थ की गौरवशाली विरासत से लेकर आज के आधुनिक महानगर तक, दिल्ली ने अपनी ऐतिहासिक पहचान, समृद्ध संस्कृति और जीवंत परंपराओं को सदैव संजोकर रखा है। यहां के ऐतिहासिक स्मारक, कला, खान-पान और विविध लोक परंपराएं दिल्ली की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली अपनी ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के संग विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कहा कि दिल्ली की अपनी एक खुशबू है, अपना एक मिजाज है,इंद्रप्रस्थ की गौरवगाथा से आधुनिक भारत के स्वाभिमान तक, दिल्ली युगों की साक्षी है, इतिहास की धरोहर है और भविष्य की अनंत संभावनाओं का आंगन है। उन्होंने कहा कि इसकी मिट्टी में सभ्यताओं की स्मृतियां हैं, यमुना की धार में युगों की कथाएं हैं। लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र का गौरव गूंजता है, तो कर्तव्य पथ पर स्वतंत्र भारत का आत्मविश्वास झलकता है। किसी का बचपन यहां बीता है, किसी के सपनों ने यहां पहली उड़ान भरी है। कोई पीढ़ियों से यहां बसा है, तो कोई दूर से आकर यहीं का हो गया। दिल्ली की यही खूबसूरती है कि यहां हर कोई बड़े प्यार और गर्व से कहता है, हम दिल्ली वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदियों की कहानियां समेटे इस शहर की यात्रा में 1 नवंबर 1956 को एक नया अध्याय जुड़ा, जब दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला। हमारा संकल्प है कि दिल्ली की सदियों पुरानी पहचान भी अक्षुण्ण रहे और उसका भविष्य भी भव्य बने। दिल्ली की विरासत भी संवरेंगी, दिल्ली का विकास भी नई ऊंचाइयों को छुएगा। हर गली में खुशहाली, हर घर में आधुनिक सुविधाएं और हर नागरिक के जीवन में समृद्धि सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली को उसके गौरवशाली अतीत के अनुरूप एक शानदार भविष्य देकर रहेंगे।

मोदी जी कहीं नहीं जा रहे ब्रो! के नारे के साथ लाल हिट जनता पार्टी ने निकाला शांति मार्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल हिट जनता पार्टी की ओर से रविवार को राजघाट से रामलीला मैदान तक शांति मार्च का आयोजन किया गया। ÷मोदी जी कहीं नहीं जा रहे ब्रो!÷ के नारे के साथ आयोजित इस मार्च में पार्टी के सदस्यों और समर्थकों सहित करीब 200 लोगों ने भाग लिया। मार्च का नेतृत्व पार्टी के संस्थापक एवं संयोजक अयन भटनागर ने किया।
मार्च में शामिल प्रतिभागियों के हाथों में पार्टी के बैनर, फ्लेक्स और पोस्टर थे। इनके माध्यम से उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए देश में हो रहे विकास कार्यों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।
इस दौरान पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रति समर्थन व्यक्त किया और कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक विचारधारा तथा प्रधानमंत्री के संबंध में उसके राजनीतिक रुख के प्रति विरोध दर्ज कराया। पार्टी ने देश के विकास, भारतीय संविधान की सर्वोच्चता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संदेश भी दिया।
राजघाट से शुरू हुआ यह शांतिपूर्ण मार्च रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुआ। पार्टी की ओर से कहा गया कि मार्च का उद्देश्य लोकतांत्रिक तरीके से जनजागरूकता फैलाना, राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों को



उठाना और शांतिपूर्ण नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।
उल्लेखनीय है कि लाल हिट जनता पार्टी राष्ट्र प्रथम, संविधान की सर्वोच्चता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के सिद्धांतों पर कार्य करने वाला एक मंच है। पार्टी शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक भागीदारी के माध्यम से जनजागरूकता फैलाने और राष्ट्रहित के मुद्दों को उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक विकसित होगा आधुनिक कॉरिडोर : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार राजधानी के नेताजी सुभाष मार्ग को नए स्वरूप में विकसित करने की योजना तैयार कर रही है। इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की इस पुनर्विकास परियोजना में दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक (करीब 3.3 किलोमीटर) आधुनिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। योजना में सड़क के सौंदर्यीकरण के साथ आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को भी एक-दूसरे से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री व इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की चेयरमैन रेखा गुप्ता ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए यह मार्ग आवागमन के साधन के साथ-साथ दिल्ली के इतिहास, विरासत, स्थापत्य, संस्कृति और आधुनिक शहरी जीवन के बीच एक जीवंत सेतु के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली गेट से शुरू होकर कश्मीरी गेट तक जाएगा। सौंदर्यीकरण को सड़क की उपलब्ध चौड़ाई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। पहले हिस्से में कश्मीरी गेट से जीपीओ चौक तक रखा गया है। यह इस कॉरिडोर की सबसे व्यस्त सड़क है और इसकी चौड़ाई 12 से 24 मीटर है। दूसरे हिस्से में जीपीओ से ब्रिज मोहन चौक (जामा मस्जिद की ओर जाने वाला चौराहा) की सड़क को रखा गया है। इसकी औसत चौड़ाई 45 मीटर है। तीसरे हिस्से में ब्रिज मोहन चौक से दिल्ली गेट चौराहे की सड़क रखी गई है। इसकी औसत चौड़ाई 16.8 से 26 मीटर है। इस कॉरिडोर के इन तीनों हिस्सों में सड़क की चौड़ाई व अन्य उपलब्धताओं को ध्यान में रखते हुए। यातायात के साथ पैदल और गैर-मोटर चालित परिवहन को भी पर्याप्त स्थान देने की व्यवस्था की गई है। इनमें फुटपाथ, बस लेन और मोटर वाहन लेन के अलावा पार्किंग व्यवस्था, पैदल प्लाजा, साइकिल ट्रैक आदि शामिल है। इसके अलावा इस सड़क के दोनों ओर आधुनिक शौचालयों का निर्माण होगा और बस स्टॉप्स को अपग्रेड किया जाएगा। इन व्यवस्थाओं का आधार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से मौजूदा स्ट्रीटस्केप परियोजना के लिए साझा किए गए डिजाइन दिशा-निर्देश शामिल हैं।

यमुनापार में छठ पूजा की तैयारी तेज, यमुना किनारे बनेंगे 24 मॉडल घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुनापार में छठ पूजा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार भी यमुना किनारे और रिहायशी इलाकों में बड़े स्तर पर अस्थायी छठ घाट बनाए जाएंगे। यमुनापार में इस बार 300 से अधिक घाट तैयार किए जाएंगे। इनमें यमुना किनारे बनने वाले 24 घाट मॉडल घाट होंगे। इन घाटों पर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा चेंजिंग रूम, शौचालय, रोशनी और प्रवेश द्वार की व्यवस्था भी की जाएगी। जिला प्रशासन ने छठ पूजा की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों को निर्देश देने शुरू कर दिए हैं। अगले सप्ताह जिला प्रशासन के अधिकारी छठ पूजा समितियों के साथ बैठक करेंगे। इसमें घाटों की व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर चर्चा की जाएगी। इस बार यमुना किनारे बनाए जाने वाले सभी 24 घाटों को मॉडल घाट के रूप में विकसित किया जाएगा। इन घाटों पर सरकार की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। साथ ही महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय और पर्याप्त रोशनी का इंतजाम रहेगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए घाटों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। छठ पूजा के दौरान व्रतियों को घाटों तक पहुंचने में परेशानी न हो, इसके लिए रास्तों को समतल करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को कहा गया है कि घाटों तक जाने वाले रास्तों पर पत्थर और अन्य रुकावटें नहीं होनी चाहिए। रास्ते साफ और समतल रखे जाएं, ताकि व्रतियों को आने-जाने में परेशानी न हो।

पिछले साल फिर शुरू हुई थी यमुना किनारे पूजा

उत्तर-पूर्वी जिला के जिलाधिकारी अजय कुमार के अनुसार, पहले यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पिछले साल से एक बार फिर यमुना किनारे पूजा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पूर्वांचल के बड़ी संख्या में लोग यमुनापार में रहते हैं। इसी वजह से यहां छठ पूजा के दौरान सबसे अधिक भीड़ जुटती है। इसे देखते हुए घाटों पर बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है।

मोदी सरकार की विदाई नजदीक, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा : खरगे



नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की विदाई के दिन नजदीक हैं और देश में वोट चोरी की साजिश में भूमिका निभाने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा तथा उनके खिलाफ जांच भी होगी।
श्री खरगे ने रविवार को यहां रामलीला मैदान में विपक्षी इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त जनता की आवाज समझ लें, क्योंकि वे लोगों का अधिकार नहीं छीन सकते। उन्होंने कहा कि यह आजादी की दूसरी लड़ाई है और विपक्ष इसे जीतकर रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करीब 14 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि हटाए गए नामों में कितने विदेशी नागरिक थे। उन्होंने दावा किया कि छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले हैं, जिनमें अधिकतर नेपाल के नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों के नाम पर झूठ बोल रही है और मतदाता सूची में बदलाव का इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए किया जा रहा है।
श्री खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों की समस्याओं की चिंता नहीं है बल्कि उसे अपनी कुर्सी की चिंता है। उन्होंने कहा कि चुनिंदा पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण से रोजगार और आरक्षण पर खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने का वादा पूरा नहीं होने का मुद्दा भी उठाया।
उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं लेकिन मोदी सरकार अपनी पसंद के मतदाता चुनने में लगी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या युवाओं, किसानों और कमजोर तबकों के वोट इसलिए काटे जाएंगे कि वे सरकार से सवाल पूछते हैं और अपने अधिकारों की मांग करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में कोई सरकार स्थायी नहीं होती और जनता ही तय करती है कि कौन सत्ता में रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे



पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो ?ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

सभी जिला प्रशासनों को प्रभावित क्षेत्रों का पूरा सर्वेक्षण कराने तथा किसानों को तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री जी ने नगर पंचायत में नाली निर्माण की मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि कार्यों को समयबद्ध तरीके से आगे ब?ाया जाए और जनप्रतिनिधि तथा सम्बन्धित अधिकारी इच्छाशक्ति के साथ काम करें। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, किसानों के लिए सरकारी योजनाएं और क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं उपलब्ध हैं। इनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने बाबा गोरखनाथ की पावन धरती, माँ तरकुलहा देवी की असीम अनुकम्पा की भूमि तथा शहीद बन्धू सिंह की क्रान्तिकारी धरती को नमन करते हुए कहा कि 04 फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा की ऐतिहासिक घटना के बाद अंग्रेजों ने 172 देशभक्तों को फांसी की सजा सुनाई थी। उस समय किसान, श्रमिक, व्यापारी और नौजवानों के पक्ष में पैरवी करने के लिए पं0 मदन मोहन मालवीय आगे आए। उनकी प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप 151 क्रान्तिकारियों को फांसी के फंदे से बचाने में सफलता मिली। इस दौरान भगवान अहिर, नजर अली, कोमल सिंह यादव, लाल मोहम्मद, मेघु तिवारी, अब्दुल्लाह, श्याम सुंदर, महादेव सिंह, विक्रम अहीर, मेगु अली, काली चरण, लौटू कुम्हार, रघुवीर सुनार, रामलखन, रामरूप, सहदेव, रुदली केवट, सम्पत अहीर, सीताराम, दुधई भर सहित अन्य वीर क्रान्तिकारियों को अंग्रेजो ने चौरी-चौरा की ऐतिहासिक घटना के लिए फांसी के फंदे पर लटकाने का कार्य किया था। चौरी-चौरा की घटना का प्रभाव इतना व्यापक था कि अंग्रेजी शासन की चूलें हिल गई थी। तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व भी इससे प्रभावित हुआ था। उस समय आन्दोलन स्थगित करने का निर्णय लिया गया, लेकिन चौरी-चौरा, गोरखपुर और भारत की क्रान्तिकारी चेतना नहीं रुकी। पं0 मदन मोहन मालवीय ने क्रान्तिकारियों की पैरवी कर उनके जीवन की रक्षा की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पं0 मदन मोहन मालवीय जी को भारत रत्न प्रदान कर उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। यह सम्मान उन क्रान्तिकारियों और युवाओं के प्रति भी सम्मान का भाव है, जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्ययन कर उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। क्रान्तिकारियों ने जाति और परिवार से ऊपर उठकर केवल देश की स्वतंत्रता को अपना लक्ष्य बनाया था। उनका एक ही संकल्प था कि भारत गुलामी की बेड़ियों से मुक्त हो। चौरी-चौरा थाने की घटना के माध्यम से उन्होंने अंग्रेजी शासन को चुनौती दी और स्वतंत्रता का बिगुल फूंका। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने भारत के क्रांतिकारियों के बारे में लिखा था कि जला अस्थियां बारी-बारी, चटकाई जिनमें चिंगारी, जो चढ़ गये पुण्यवेदी पर, लिए बिना गर्दन का मोल। कलम, आज उनकी जय बोल। देश में अराजकता उत्पन्न करने वालों के बारे में भी रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा है अन्धा चकाचौंध का मारा, क्या जाने इतिहास बेचारा, साखी हैं उनकी महिमा के, सूर्य चन्द्र भूगोल खगोल। कलम, आज उनकी जय बोल। देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले बलिदानियों की स्मृति और सम्मान बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने माँ तरकुलहा देवी मन्दिर के सौन्दर्यीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराने तथा मन्दिर को श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र बनाने का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री जी ने सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी शहीद बन्धू सिंह का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर में फांसी दिए जाने के समय बार-बार फांसी का फंदा टूटने की घटना के बाद बन्धू सिंह ने स्वयं माँ तरकुलहा देवी का आह्वान किया था। आज मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है और लोग माँ के दर्शन के साथ-साथ शहीद बन्धू सिंह को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत 140 करोड़ देशवासियों के आत्मविश्वास के साथ दुनिया में नई पहचान बनाकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में गरीबों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 46 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर सामान्य जीवनयापन का अवसर मिला है। गरीबों को आवास, घरों में शौचालय और मुफ्त राशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 55 करो? लोगों को प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये तक के नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिली है। जनधन योजना के माध्यम से 55 करोड़ लोगों के बैंक खाते खोले गए हैं। पहले गरीबों के लिए भेजे गए 100 रुपये में से केवल 15 रुपये ही उन तक पहुंचते थे, लेकिन अब डी0बी0टी0 के माध्यम से पूरी धनराशि सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रही है। डिजिटल ट्रांजेक्शन ने भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गरीबों के जीवन में खुशहाली लाने वाली इन योजनाओं से देश में व्यापक बदलाव आया है। भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के साथ-साथ षड्यंत्र, दुष्प्रचार और अव्यवस्था फैलाने वाले तत्वों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से दुष्प्रचार का मुकाबला करने और देश के विकास के पक्ष में सजग रहने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने विगत 10 वर्षों में प्रदेश के 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज', 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन कुजीन' जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास को नई दिशा दी गई है। प्रदेश में माफिया के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है, जिससे अब किसी गरीब की जमीन पर कब्जा करने अथवा किसी बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवा? करने का दुस्साहस करना आसान नहीं है। प्रदेश में पहले बेटियां स्कूल जाने से डरती थीं, व्यापारी कारोबार करने से घबराते थे और पर्व-त्योहारों से पहले दंगे, उपद्रव तथा कर्फ्यू की स्थिति पैदा हो जाती थी। व्यापारियों की सुरक्षा और गरीबों की जमीन की रक्षा की कोई गारण्टी नहीं थी। वर्तमान सरकार ने कानून-व्यवस्था को मजबूत कर इस स्थिति में बदलाव किया है। अब प्रदेश में कर्फ्यू और दंगों के स्थान पर उत्सव का वातावरण है। उत्तर प्रदेश शोषण और अव्यवस्था की पहचान से निकलकर संस्कृति, सुरक्षा और प्रगति की धरती के रूप में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश अब पतन की नहीं, बल्कि प्रगति की धरती बन गयी है। उत्तर प्रदेश अब शोषण का नहीं, बल्कि संस्कृति की धरती बन गयी है। पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश में अपराध और अव्यवस्था का माहौल था, जबकि डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया है। आज प्रदेश में विकास और रोजगार का वातावरण है। चौरी-चौरा में दिखाई दे रहा परिवर्तन विकास, रोजगार और नौजवानों के चेहरों पर खुशहाली का प्रतीक है। मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुर में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस खाद कारखाने के दोबारा शुरू होने की कभी कल्पना नहीं की जाती थी, वह आज संचालित हो रहा है। पिपराइच में नई चीनी मिल स्थापित हुई है। गोरखपुर में एम्स संचालित है। चारों ओर 04-लेन कनेक्टिविटी विकसित हुई है और बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है। हजारों नौजवानों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। सरकार पूरे उत्तर प्रदेश को एक परिवार मानकर कार्य कर रही है। प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों के सुख-दु:ख में सहभागी बनना सरकार की जिम्मेदारी है। विकास का लाभ किसी भेदभाव के बिना प्रत्येक नागरिक तक पहुंचना चाहिए। कोई भी ताकत प्रदेश के नागरिकों को विकास से वंचित नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकास की इस धारा को और गति दी जा रही है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वह दुष्प्रचार और भ्रम फैलाने वाले तत्वों से सावधान रहें। प्रदेश में शान्ति, सुरक्षा और विकास के वातावरण को बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों को सजग रहना होगा। चौरी-चौरा के निवासियों ने डबल इंजन सरकार पर विश्वास जताया है, इसलिए क्षेत्र के विकास में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। चौरी-चौरा में विकास की गंगा इसी प्रकार आगे बढ़ती रहेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण यहां की जनता की आवश्यकताओं और विकास से जुड़े प्रस्तावों को सरकार के समक्ष रखें। इन प्रस्तावों के रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करना उनकी जिम्मेदारी होगी। सरकार इन बाधाओं को हटाकर विकास की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाएगी। चौरी-चौरा की ऐतिहासिक पहचान और यहां के क्रांतिकारियों का सम्मान बनाए रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। विकास की यह बयार उन्हीं क्रान्तिकारियों के आशीर्वाद से आगे बढ़ रही है।

NAME CHANGE
I BHOSALE SUPRIYA SANGRAM legally wife of Army No- 15725862H Rank- Nk, Name - BHOSALE SANGRAM RAMACHANDRA, Presently Residing, At/Post - Savarde Dumala, Teh- Karveer, Dist - Kolhapur (Maharshtra), Pin -416014 have changed my name BHOSALE SUPRIYA SANGRAM to SUPRIYA SANGRAM BHOSALE for all future purposes, Vide affidavit dated 31/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I BHOSALE RAMCHANDRA SHANKAR legally father of Army No - 15725862H,Rank- Nk, Name - BHOSALE SANGRAM RAMACHANDRA, Presently Residing, At/Post - Savarde Dumala, Teh- Karveer, Dist - Kolhapur (Maharshtra), Pin -416014 have changed my name BHOSALE RAMCHANDRA SHANKAR to RAMCHANDRA SHANKAR BHOSALE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1966 instead of my correct date of birth as 10/06/1962 Vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SAMPADA legally mother of Army No - 15725862H,Rank- Nk, Name - BHOSALE SANGRAM RAMACHANDRA, Presently Residing, At/Post - Savarde Dumala, Teh- Karveer, Dist - Kolhapur (Maharshtra), Pin -416014 have changed my name SAMPADA to SAMPADA RAMCHANDRA BHOSALE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1975 Vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I GEETIKA D/O VINOD BHRIGU R/O RZ B-113, JEEWAN PARK, NEAR SUNIL DAIRY, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059 HAVE CHANGE MY NAME TO GEETIKA BHRIGU

NAME CHANGE
I, PRAVEEN ARORA S/O SEWA RAM R/O H NO-65 RADHEY PURI EXTN KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to PARVEEN ARORA for all future purposes

NAME CHANGE
I, WASEEM S/o IRSHAD R/o H NO -B-389,STREET NO-3, NEAR MADINA MASJID, OLD MUSTAFABAD,NORTH EAST DELHI, DELHI -110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD WASEEM ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, HARISH CHANDER KOHLI S/o DWARKA NATH KOHLI R/o H NO H NO 410FORTH FLOOR PALAM VIHAR CHOMA GURGAON HARYANA -122017 HAVE CHANGED MY NAME TO HARISH KOHLI ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I, POONAM CHADDHA D/O PARVESH PAHWA EX. WIFE OF VIJAY KUMAR CHADDHA R/O PLOT NO. 19, UG F-3, SHALIMAR GARDEN EXTN-1, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 declare that I got divorce from my husband vide Court decree HMA No. 1004/2019 dated 08.05.2019. Further I have changed my name and shall hereafter be known as POONAM PAHWA.

NAME CHANGE
I SANEHA RAMDAS NAWALE legally wife of Army no - Jc287477M, Rank - Sub (DMT), Name - NAIKELE VILASH VISHVANATH, Presently Residing At - Nadiad, Post- Nadiad, Teh - Nadiad, Dist - Kheda, State- Gujrat, Pin - 387002 have changed my name from SANEHA RAMDAS NAWALE to SNEHA VILAS NAIKELE for all future purposes, Vide affidavit dated 31/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHD GHUFRAN S/O MOHD USMAN R/O 6715, GALI NO 05, Kothi Mem, Sadar Bazar, Delhi-110006, Difference in my name to GHUFRAN ANSARI, This may also be amended in my Daughter's School Records

NAME CHANGE
I, JC-733278N Rank-SUB Name-RAJESH KUMAR S/O LALLU RAM is legal father of DHIRAJ KUMAR R/O VPO-JORIYA, TEHSIL-KOTKASIM, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301702, have changed my son's name from DHIRAJ KUMAR to DHEERAJ KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-733278N Rank-SUB Name-RAJESH KUMAR S/O LALLU RAM is legal father of RICHA YADAV R/O VPO-JORIYA, TEHSIL-KOTKASIM, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301702, have changed my daughter's name from RICHA YADAV to RICHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-353000A Rank-SUB/MAJ Name-MANOJ KUMAR R/O VPO-USHRANI, TEH-KUMHER, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321201, have changed my mother's name from SATYA BATI DEVI to SATYAVATI DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 20/05/1952 instead of her correct date of birth as 01/01/1945 vide Affidavit dated 31/10/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-353000A Rank-SUB/MAJ Name-MANOJ KUMAR R/O VPO-USHRANI, TEH-KUMHER, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321201, have changed my father's name from RAMBIR SINGH to RAMVEER SINGH for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 05/10/1950 instead of his correct date of birth as 01/01/1947 vide Affidavit dated 31/10/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KANISHK SHARMA S/O NARESH SHARMA R/O B-40A, DEVLI ROAD, JAWAHAR PARK, KHANPUR, DEOLI, SOUTH DELHI, DELHI-110062 declare that my education documents in mentioned the name as KANISHK and my Aadhar No. UID NO.7193 7275 4872 in mentioned the name KANISHK SHARMA and I shall hereinafter known as KANISHK SHARMA and I also declare that the Kanishk Sharma and Kanishk both are the one and same person.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Jalam Singh S/o Budhram R/o House No-96, Girdharpur Sunarsi, Chhapraula, Chhaprola, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Jalam Singh Chndila and Budh Ram Singh Chndila in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Jalam Singh and Budhram.

NAME CHANGE
I, NEHA D/O PURNA NAND R/O A-30 UGF FLAT NO-2 RAJPUR KHURD CHATTARPUR DELHI-110068 HAVE CHANGED MY NAME TO NEHA BARTHWAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Kusumlata W/O: Surendar Kumar, R/O house no -445, chhapar, Chhapar, Chhapar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 251307, have changed my name and shall hereafter be known as KUSUM.

NAME CHANGE
I, ABDUL HAMID S/O MD JUNAID R/O H NO-786, STREET NO-6, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ABDUL HAMEED for all purposes.

NAME CHANGE
I, MEHASHAR W/O MOHAMMAD IMRAN R/O R-233, GALI NO-2, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to MEHASHAR IMRAN for all purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD IMRAN S/O ABDUL HAMEED R/O R-233, GALI NO-2, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025, Declare that my given name is IMRAN and my surname is MOHAMMAD

PUBLIC NOTICE
It is notified for public information that We, Sachin Sareen, son of Sh. Sudhir Pal Sareen and Neetika Sareen, daughter of Late Sh. Kuldeep Mathur, wife of Sh. Sachin Sareen both presently residing at B-54, Third Floor, Surajmal Vihar, Laxmi Nagar, East Delhi-110092, do hereby solemnly affirm and declare that we are the brother in law and biological sister of Sh. Himanshu Mathur son of Late Sh. Kuldeep Mathur and we have severed all social and personal relations with him, due to his misconduct and misbehaviour. If any person dealing with Sh. Himanshu Mathur shall do so at his/her own risk and responsibility. We shall not be responsible for any acts, dealings, liabilities or obligations undertaken by him.

NAME CHANGE
I, SOMLA BHAVRIA wife of No.-15230310W, Rank-L/NK, Name-HARCHAND MUNIYA residing at VILL-JAMDA, PO–PANCHPIPLIA, TEHSIL–MEGHNAGAR, DIST-JHABUA, MADHYA PRADESH-457770, have changed my name from SOMLA BHAVRIA to SOMLA MUNIYA for all future purposes vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MAHA VEER S/O RAMJI LAL R/O Safiya Bad Loti, PO: Shafibad Loti, District Meerut, Uttar Pradesh-250104, have changed my name and shall hereafter be known as MAHAVEER SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto Known as GULISTA D/o RIYAZ R/o 131 MUSTAFABAD, LONI, PO: Loni, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as RAZISTA.

NAME CHANGE
I, Siddartha Parashar S/O Devendra Prasad Singh, R/o MP1-801 8Th #Floor Tower Eldeco Aamantran, Sector-119, Noida, PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Uttar Pradesh - 201301, have changed the name of my minor son Nisarg Parashar aged 4 years and he shall hereafter be known as KUSHAGR PARASHAR.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे क्लाइंट श्री श्रीमती ममता शर्मा (पत्नी श्री प्रदीप शर्मा) फीहोल्ड रेजिडेंशियल प्लॉट नंबर 2 की मालकिन हैं। इसका क्षेत्रफल 64 वर्ग गज (यानी 53.51 वर्ग मीटर) है और यह खसरा नंबर 67 का हिस्सा है। यह संपत्ति गांव महीउद्दीनपुर हिसली, परगना जलाबाद, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में स्थित है। 15.03.2021 को हुए सेल डीड (बिक्री विलेख) के आधार पर वह इसकी पूर्ण मालकिन बनीं। यह सेल डीड एस.आर. (स्क) कार्यालय, मोदीनगर, गाजियाबाद में दस्तावेज़ संख्या 4193, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 13008, पृष्ठ संख्या 229-256 पर 15.03.2021 को विधिवत पंजीकृत (रजिस्टर) है। दस्तावेज़ों की श्रृंखला में कुछ कागज़ात उपलब्ध नहीं हैं, जो इस प्रकार हैं: (1) स्वर्गीय श्री सुभाष चंद का मृत्यु प्रमाण पत्र और एस.एम.सी. (SMC), तथा (2) श्रीमती राजकुमारी द्वारा श्री प्रवीण त्यागी के पक्ष में जारी की गई एन.ओ.सी. (NOC) या बंटवारा विलेख (पार्टीशन डीड)। अब हमारी क्लाइंट यह घोषित करती हैं कि इस संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है। यह संपत्ति श्रीमती पूजा सिंह (पत्नी श्री रोशन सिंह) को बेची गई है, और इसके लिए उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (नोएडा, उत्तर प्रदेश शाखा) से फाइनेंस (ऋण) लिया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार/स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as ASHA RANI W/O LATE MOHAN LAL TANDON R/O 28/9 NAGIA PARK SHAKTI NAGAR DELHI-110007 have changed my name and shall hereafter be known as ASHA RANI TANDON

NAME CHANGE
I Dhruv S/o Har Bhagwan Mehndiratta R/o Plot no-36 2nd floor Amolik residency Sec-86 Near Kheri Kalan Faridabad-121002 have changed my name to Dhruv Mehndiratta.

NAME CHANGE
I Harbhagwan S/o Chela Ram Mehndiratta R/o Plot no-36 2nd floor Amolik residency Sec-86 Near Kheri Kalan Faridabad-121002 have changed my name to Har Bhagwan Mehndiratta

NAME CHANGE
I, Rajender Babu, S/O Moti Lal, R/O B-8/20- 21, 3rd Floor, Sector-3, Rohini, North West Delhi, Delhi- 110085 have changed my name to Rajendra Baboo for all future purposes

PUBLIC NOTICE
Public notice is hereby given that my client Mr. Pawan S/o Mr. Anant Ram, R/o House No. 1321, Nangla Encave, Near Sagar Public School, Part-2, Faridavad Sector-22, Faridabad, Haryana-121005, is owner of Freehold Residential Flat No. SF-107, Second Floor, without roof rights, area measuring 97 Square Yards, built-up on Plot No. 25-A, out of Khasra No. 1370, situated at Balaji Enclave, in the Village Raispur, Pargana Dasna, Tehsil and District Ghaziabad, Uttar Pradesh, vide Notarized General Power of Attorney Dated 04.05.2000., executed by Mrs. Usha Rani Sharma W/o Mr. Shivanand Sharma. It is Pertinent to mention here that initially property was owned by Bhumidhar Mrs. Satbiri W/o Mr. Mahendra Singh, Mrs. Sheela Shau W/o Mr. Surendra Singh, Mr. Anuj Kumar & Mr. Vishwanath Bandhu Both Ss/o Mr. Satendra Singh, and Others. Further Mrs. Satbiri appointed attorney to Mr. Rajendra Singh S/o Mr. Narayan Singh, for area measuring 138 Square yards, from her share of land comprising Khasra No. 1370, and also Mr. Anuj and Mr. Vishwanath appointed attorney Mr. Rajendra Singh for area measuring 30 Square Meters, comprising Khasra No. 1370 from their share. Further Mr. Rajendra Singh appointed attorney Mrs. Usha Rani Sharma W/o Mr. Shivanand Sharma for land area measuring 210 Square Yards, bearing plot No. J-25-A. Being the owner of land area measuring 210 Square Yards, bearing plot No. J-25-A, constructed flats over the said plot. Further, Mrs. Usha Rani Sharma appointed attorney Mr. Pawan S/o Mr. Anant Ram, for the said Flat No. SF-107, Second Floor, My client is absolute owner of the said Property which is free from encumbrance. The said property neither falls under acquisition nor falls under any litigation in any court of law. On date, being the absolute owner of the said property, my client Mr. Pawan S/o Mr. Anant Ram, is going to Sale the said Flat to Mr. Rakesh Kumar S/o Mr. Rajendra Singh, The same is going to be financed by PNB Housing Finance Ltd., branch Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh.If any person(s) has/have any objection regarding the above said property, then kindly may submit his/her objection within 7 days from the date of the Notice in writing to undersigned or the said Bank/FI. The said objection may be kindly sent to the undersigned/bank by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. Failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

Rupesh Kumar Roushan
Advocate
D-803, Nandgram,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201003

NAME CHANGE
I, Firoz Khan S/o Babu R/o H.No. E-26, Shaheed Nagar, VTC: Chikamberpur, PO: Chikamberpur, District Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201006 declare that name of mine and my father have been wrongly written as Firoz Qureshi and Babu Qureshi in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Firoz Khan and Babu

NAME CHANGE
I RAJAN KITCH ALAGIRISWAMY S/O ALAGIRISWAMY NAIDU R/O 41, 6 TH FLOOR HARMONY APARTMENTS PLOT NO 58/16 NEAR TOTMAL SECTOR -62 NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH 201309 have changed my name to A RAJAN Perm

संक्षिप्त डायरी

गवाहों के मुकरने से पॉक्सो का आरोपी बरी

एजेंसी

नोएडा। अदालत ने पांच वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर कासना थाना में 13 अप्रैल को मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने 10 जून को आरोप पत्र दाखिल किया और 3 अगस्त को आरोप तय हुए। पिता ने मुख्य परीक्षा में घटना का समर्थन किया लेकिन जिरह में पुलिस को बयान देने से इन्कार किया। मां ने अदालत में कहा कि घटना के दिन पति और आरोपी के बीच झगड़ा हुआ था। आरोपी ने बच्ची के साथ कोई गलत हरकत नहीं की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को बरी कर दिया गया।

18 लाख लेने के बाद भी प्लॉट का नहीं दिया कब्जा

एजेंसी

नोएडा। दनकौर देहात स्थित परियोजना में प्लॉट का कब्जा देने के नाम पर दिल्ली निवासी महिला के साथ 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी हो गई। ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली निवासी राखी निंबा ने रविवार को दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसने एक कंपनी के निदेशकों अनुराग प्रताप राय और अनुराधा प्रताप राय से परियोजना में 100 वर्ग गज का प्लॉट 18 लाख रुपये में खरीदा था। रकम देने के बाद 30 जून 2023 को प्लॉट की रजिस्ट्री कराई गई लेकिन कब्जा नहीं मिला। पीड़िता के अनुसार नवंबर 2020 में हुए एक अन्य समझौते में बिल्डर ने छह महीने के भीतर 22 लाख रुपये लौटाने और सुरक्षा के तौर पर चेक देने का आश्वासन दिया था लेकिन पैसे नहीं मिले। महिला ने अनुराग प्रताप राय, उनकी पत्नी दीक्षा राय, बहन अनुराधा और पार्टनर रामकुमार गुप्ता पर साजिश के तहत रकम हड़पने का आरोप लगाया है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शिवालिक होम्स की आठों लिफ्टें बंद, 350 परिवार परेशान

एजेंसी

नोएडा। शिवालिक होम्स सोसाइटी में शनिवार को मेंटेनेंस टीम ने चारों टावरों की सभी आठ लिफ्टें बंद कर दीं। इससे करीब 350 परिवारों को परेशानी हुई। सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों, बीमार लोगों और बच्चों को हुई। सोसाइटी में तीन टावर 14 मंजिला और एक टावर 19 मंजिला है। प्रत्येक टावर में दो लिफ्ट हैं। निवासी हिमांशु शेखर ने आरोप लगाया कि लंबे समय से लिफ्टों के रखरखाव और मरम्मत की शिकायत की जा रही थी, लेकिन समाधान करने के बजाय सभी लिफ्टें बंद कर दी गईं। मेंटेनेंस टीम का कहना है कि निवासी बिल्डर पर दबाव बनाने के लिए अलग-अलग जगह शिकायत कर रहे हैं। लिफ्ट बंद होने से ऊपरी मंजिलों पर रहने वालों को परेशानी हुई। निवासियों और मेंटेनेंस टीम के बीच करीब डेढ़ घंटे बैठक चली। बातचीत के बाद सभी लिफ्टें चालू कर दी गईं। निवासियों ने नियमित रखरखाव और स्थायी समाधान की मांग की।

60 बच्चों को बताए जोड़ों की देखभाल के तरीके

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई के बाल रक्त एवं कैंसर रोग विभाग की ओर से हीमोफीलिया से पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए लिविंग एंड विनिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 60 बच्चों और उनके परिजनों ने हिस्सा लिया। विभागाध्यक्ष और एडिशनल प्रोफेसर डॉ. नीता राधा कृष्णन ने रक्तस्राव के शुरूआती लक्षणों की पहचान, समय पर उपचार और सावधानियों की जानकारी दी। फिजियोथेरेपिस्ट खलील अहमद ने बच्चों को मांसपेशियां मजबूत करने वाले व्यायाम और जोड़ों की देखभाल के तरीके बताए। कार्यक्रम में आई ड्रीम टू ट्रस्ट के संस्थापक राजन चौधरी के सहयोग से दिवाली उत्सव और चित्रकला प्रतियोगिता भी हुई।

बालक-बालिका टीमों ने दिल्ली में जीते खिताब

एजेंसी

नोएडा। शहर की बालक और बालिका टीमों ने शनिवार को दिल्ली के चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट में अंडर-12 वर्ग का खिताब अपने नाम किया। 'खेलो इंडिया' पहल के तहत हुई इस प्रतियोगिता में नोएडा के खिलाड़ियों ने टीम स्पर्धा के साथ-साथ व्यक्तिगत पुरस्कारों में भी बाजी मारी। अविराज राणा और आयुष्का डुंगडुंग को अपने-अपने वर्ग में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, जबकि श्रुश अवाना को सर्वश्रेष्ठ उभरती खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। इसके अलावा, अंडर-10 आयु वर्ग में सक्षम गौतम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

केबी मार्ट के नाम पर दुकानों की फर्जी बुकिंग और बिक्री का आरोप

एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क-2 स्थित केबी मार्ट प्रोजेक्ट में कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर दुकानों और कॉमर्शियल यूनिट्स की अनधिकृत बिक्री व बुकिंग करने का मामला सामने आया है। श्री कुंज बिहारी जी इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंघल की तहरीर पर नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने शुक्रवार को तरुण कुमार उर्फ हिमांशु के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कंपनी के मुताबिक बुलंदशहर निवासी आरोपी तरुण कुमार पहले कंपनी के लिए कमीशन एजेंट के रूप में दुकानों की बिक्री में समन्वय का काम करता था। उसे कंपनी की ओर से यूनिट बेचने, भुगतान लेने या कोई आधिकारिक दस्तावेज जारी करने का अधिकार नहीं था। इसके बावजूद उसने कंपनी की फर्जी रबर स्टांप, मुहर, लेटरहेड और अधिकृत अधिकारियों के हस्ताक्षर कर ग्राहकों को फर्जी आवंटन पत्र, रसीदें, एग्रीमेंट और अन्य दस्तावेज दिए। केबी मार्ट में बुकिंग और बिक्री के नाम पर ग्राहकों से रकम ली। कुछ ग्राहक जब फर्जी या संदिग्ध दस्तावेज लेकर कंपनी कार्यालय पहुंचे, तब प्रबंधन को पूरे मामले की जानकारी हुई। इसके बाद आरोपी के दोनों मोबाइल नंबरों पर संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन दोनों बंद मिले। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पंजाबी गायक मनिंदर बुट्टर के गानों में झूमे छात्र

एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 29 से 31 अक्तूबर तक तीन दिवसीय वार्षिक समारोह ऑक्लूजन-2026 आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से आए 1500 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पंजाबी गायक मनिंदर बुट्टर की लाइव प्रस्तुति रही। उन्होंने सखियां, इक तेरा, लारे और पानी दी गल जैसे लोकप्रिय गीतों से विद्यार्थियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रधानाचार्य डॉ. ओमकार के शेट्टी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में सांस्कृतिक और खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान उपाध्यक्ष सोहेल चड्ढा, डॉ. आरपी चड्ढा, सचिव बीके अरोड़ा, निदेशक जनसंपर्क सुरेन्द्र सूद उपस्थित रहे।

समुद्र मंथन पर नाटक प्रस्तुति बनी मुख्य आकर्षण

एजेंसी

नोएडा। डेल्टा-क्क्क स्थित जेएस अकादमी में शनिवार को वार्षिकोत्सव ह्यशिवोह्य-दिव्य यात्राह्व का आयोजन से किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, भगवान शिव की महिमा और जीवन मूल्यों का संदेश दिया। समुद्र मंथन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति समारोह का मुख्य आकर्षण रही। विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, शिव वंदना, स्वागत गीत और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

नोएडा में मोबाइल स्नेचिंग करने वाले दो शातिर आरोपी गिरफ्तार, 17 मोबाइल और चोरी की बाइक बरामद

एजेंसी

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चोरी और स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी और स्नेचिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के कुल 17 मोबाइल फोन, 1,500 रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली चोरी की एक मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए ये आरोपी चोरी की



मोटरसाइकिल पर सवार होकर रास्ते चलते लोगों को अपना निशाना बनाते थे और उनके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो जाते थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को सेक्टर-58 में स्थित जुबिलेंट पार्क के पास से धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चतुरानन्द पाण्डेय उर्फ रोनी (23) निवासी गोरखपुर, वर्तमान पता सेक्टर-55 नोएडा और जतिन सिंह (26) निवासी अनिल विहार, खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई वारदातों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने 5 अक्टूबर 2026 को सेक्टर-56 से आईफोन-15 और सेक्टर-62 से सैमसंग गैलेक्सी एस-26 मोबाइल फोन छीने थे। इन दोनों घटनाओं के संबंध में थाना सेक्टर-58 में पहले से ही मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद किए गए सभी 17 मोबाइल फोन भी इन आरोपियों ने चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करके दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग स्थानों से चुराए और छीने थे। ये दोनों आरोपी छीने गए और चुराए गए मोबाइल फोन को बाजार में बेच देते थे। फोन बेचने के बाद मिलने वाली रकम को वे आपस में बराबर बांट लेते थे। इस तरह मिलने वाले पैसों को वे अपने निजी खर्चों तथा अपने शौक-मौज पर उड़ाते थे। पुलिस ने इनके पास से जो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है, वह हरियाणा के पानीपत थाना क्षेत्र में दर्ज एक मुकदमे से संबंधित चोरी का वाहन है। इसके अलावा आरोपी जतिन सिंह के कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, चतुरानन्द पाण्डेय के खिलाफ गौतमबुद्धनगर के थाना सेक्टर-58 में चोरी, बरामदगी और आबकारी अधिनियम से संबंधित मुकदमों सहित कुल छह अन्य मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा उसके खिलाफ पानीपत में भी एक मुकदमा दर्ज है। वहीं, दूसरे आरोपी जतिन सिंह के खिलाफ थाना सेक्टर-58 में एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ भी पानीपत में एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सारा सामान बरामद कर लिया है और इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश शर्मा की अनूठी पहल, दस हजार परिवारों तक दिवाली की

एजेंसी

नोएडा। दीपावली के पावन पर्व पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं उद्यमी मुकेश शर्मा ने नोएडा में एक अनूठी पहल शुरू की है। ह्यएक दीया उनके नाम, जो हमारे घरों को रोशन करती ह अभियान के तहत वे उन घरेलू सहायिकाओं, सफाई कर्मियों, सुरक्षा गार्डों और सहायक कर्मचारियों के परिवारों तक दिवाली की खुशियां पहुंचा रहे हैं, जो साल भर हमारी दिनचर्या को आसान बनाते हैं। अभियान के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशेष दिवाली किट दी जा रही है। किट में सर्दी को देखते हुए एक कंबल, मिठाई, मिट्टी के दीये और बच्चों के लिए फूलझड़ियां शामिल हैं, ताकि वे भी पूरे सम्मान के साथ त्योहार मना सकें। मुकेश शर्मा ने कहा यह कोई दान नहीं, उनके श्रम और निष्ठा के प्रति हमारा आदर है। कहना नहीं, कर दिखाना है और नोएडा को बेहतर बनाना है। जो लोग हर सुबह हमारे घरों को संवारते हैं, उनकी मुस्कान के बिना हमारी दिवाली अधूरी है। त्योहार की रोशनी सिर्फ हमारे घरों तक नहीं, उनके आशियानों तक भी पहुंचनी चाहिए। इस अभियान की खास बात यह है कि मुकेश शर्मा खुद नोएडा की प्रमुख सोसाइटियों में जाकर अपने हाथों से किट वितरित कर रहे हैं। अभी तक 7,860 से अधिक परिवारों को कवर किया गया है, जिसे बढ़ाकर 10 हजार परिवारों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके तहत केपटाउन में 3,000, लोटस में 2,000, प्रतीक विस्टेरिया में 800, सेक्टर 36 में 650, अंतरिक्ष में 400, जेनिथ में 350, सेक्टर 35 में 300, स्काईटेक मेट्रॉट में 175, सेठी मैक्स में 135 और महादेव में 50 परिवारों को किट दी जा रही है। सोसायटियों के निवासियों और एओए प्रतिनिधियों ने इस पहल को सामाजिक सौहार्द और संवेदनशीलता की मिसाल बताया है।

गौतमबुद्धनगर में सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

एजेंसी

नोएडा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर गौतमबुद्धनगर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर लोक कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वहीं दूसरी ओर, कलेक्ट्रेट सभागार में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए शपथ ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार,, गौतमबुद्धनगर कार्यालय ने पटेल लोक सांस्कृतिक संस्थान, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकगायक मन्नू तंवर, जयवीर भाटी और खुशी मौर्य ने अपनी



शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान संस्थान के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कलाकार ब्रह्मपाल नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण जयवीर भाटी और ब्रह्मपाल नागर द्वारा नशामुक्त युवा विषय पर प्रस्तुत किया गया गीत रहा। इस गीत के माध्यम से युवाओं को नशे और तमाम सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने की अपील की गई। साथ ही युवाओं को देश के विकसित भारत के निर्माण में अपना पूरा योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में ट इँ१३ के उपनिदेशक ने सभी कलाकारों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट में ली गई राष्ट्रीय एकता की शपथ उधर, जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने वहां उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण के दौरान सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह समर्पित रहने का संकल्प लिया। साथ ही देशवासियों के बीच आपसी एकता का संदेश फैलाने की बात कही गई। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत सहित कलेक्ट्रेट के तमाम अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इन दोनों प्रमुख आयोजनों के माध्यम से सरदार पटेल के राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति दिए गए महान योगदान को गहराई से स्मरण किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, नशामुक्ति को बढ़ावा देने और समाज में आपसी समरसता बनाए रखने का स्पष्ट संदेश दिया गया।

नोएडा जोन में ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ सघन अभियान

एजेंसी

नोएडा। शहर में यातायात नियमों को ताक पर रखकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में नोएडा जोन में ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा अभियान डीसीपी नोएडा प्रीति यादव के नेतृत्व और एडीसीपी अभय कुमार मिश्र के पर्यवेक्षण में चलाया गया। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 1,922 वाहनों और 2,068 व्यक्तियों की सघन जांच की गई। नियमों का पालन न करने वालों पर पुलिस ने कड़ी सख्ती बरती है। 45 टीमों ने संभाले प्रमुख चौराहे इस बड़े अभियान को सफल बनाने के लिए नोएडा जोन के विभिन्न थानों की 45 पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन सभी टीमों ने शहर के 45 प्रमुख



चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर मोर्चा संभालते हुए चेकिंग की। कार्रवाई में थाना सेक्टर-20, थाना सेक्टर-39, थाना सेक्टर-126, थाना सेक्टर-24, थाना सेक्टर-58, फेस-1, थाना सेक्टर-49, थाना सेक्टर-113 और एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस की टीमें शामिल रहीं। वाहन चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 471 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा पुलिस ने नियमों का ज्यादा उल्लंघन मिलने पर 19 वाहनों को सीज भी कर दिया। वहीं दूसरी ओर, सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था भंग करने और संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए कुल 327 व्यक्तियों के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 292 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अराधना मिश्रा से मिले एनएचआरएफ अध्यक्ष निखिल सिंघल

एजेंसी

नोएडा। नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष अराधना मिश्रा (मोना) से मुलाकात कर नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के विभिन्न जनहित और नागरिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान ब्राह्मण समाज महासंघ, गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष दिनेश मिश्रा एवं रूपिंदर भाटिया भी उपस्थित रहे। बैठक में नोएडा की हाईराइज सोसायटियों से जुड़े लाखों निवासियों की समस्याओं, लंबित फ्लैट रजिस्ट्री, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो कनेक्टिविटी, मूलभूत सुविधाओं और प्राधिकरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान नोएडा में वर्षों से लंबित फ्लैट रजिस्ट्री के मुद्दे को कांग्रेस के आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के एजेंडे में शामिल किए जाने को लेकर चर्चा हुई। इस विषय पर सकारात्मक आश्वासन मिलने की बात सामने आई। निखिल सिंघल नोएडा के नागरिक मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। फ्लैट रजिस्ट्री से लेकर हाईराइज सोसायटियों की समस्याओं तक, वे लगातार प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के समक्ष निवासियों की आवाज उठा रहे हैं। नोएडा में उन्हें हाईराइज निवासियों की आवाज के रूप में भी जाना जाता है। एनएचआरएफ अध्यक्ष निखिल सिंघल ने कहा कि नोएडा में बड़ी संख्या में ऐसे फ्लैट खरीदार हैं जो वर्षों से अपनी रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो कनेक्टिविटी और हाईराइज सोसायटियों में नागरिक सुविधाओं का बेहतर होना भी बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नोएडा के विकास और यहां रहने वाले लाखों लोगों की समस्याओं को राजनीतिक दलों के चुनावी एजेंडे में उचित स्थान मिलना चाहिए, ताकि इन मुद्दों के समाधान के लिए ठोस नीतिगत पहल हो सके। अराधना मिश्रा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुना और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। निखिल सिंघल ने कहा कि एनएचआरएफ लगातार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नोएडा के निवासियों के अधिकारों और समस्याओं को प्रशासन एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के समक्ष उठा रहा है। संगठन का प्रयास है कि नोएडा के नागरिक मुद्दों का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो।

नोएडा में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का फेरबदल, छह निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

एजेंसी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया है। प्रशासनिक आवश्यकताओं और जनहित को देखते हुए पुलिस विभाग में छह निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। फेरबदल के बाद सभी अधिकारियों को अपनी नई जिम्मेदारी जल्द से जल्द संभालने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, निरीक्षक सर्वेश चंद्र को थाना एएचटीयू से स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें अब थाना सेक्टर-63 का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। इसके



अलावा, निरीक्षक देवेंद्र शंकर पांडेय को सेंट्रल नोएडा की आईटी सेल से हटाकर नई जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें थाना सेक्टर-49 का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। अवधेश प्रताप सिंह और राम प्रसाद के नए कार्यक्षेत्र इस प्रशासनिक फेरबदल में अन्य अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को चुनाव सेल के साथ-साथ सूरजपुर कचहरी स्थित न्यायालय सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं दूसरी ओर, थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रसाद को वहां से हटाकर थाना एएचटीयू भेज दिया गया है। सुभाष चंद्र और मनोज कुमार की तैनातीइसी तरह की प्रशासनिक कार्रवाई में थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र को सेंट्रल नोएडा की आईटी सेल में तैनात किया गया है। इसके साथ ही, उपनिरीक्षक मनोज कुमार को एक नई जिम्मेदारी मिली है। उपनिरीक्षक मनोज कुमार पहले थाना बिसरख की सेक्टर-3 नूमेड (एस्टर) चौकी के प्रभारी थे, और अब उन्हें थाना फेस-3 का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

चलती गाड़ी की सनरूफ से बाहर निकलकर मचाया उत्पाद, केस दर्ज

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-5 इलाके में शुक्रवार रात एक कार में सवार युवकों द्वारा सड़क पर हुड़दंग मचाने और एक परिवार के साथ बदसलूकी करने का मामला सामने आया है। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।शिकायतकर्ता बिट्टू कटारिया ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे एक कार में सवार युवक तेज आवाज में गाने बजाकर लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे। वे सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों को डराने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान गाड़ी में सवार एक युवक सनरूफ से बाहर निकलकर बैठ गया और स्टंटबाजी करने लगा, जिससे राहगीरों और दुकानदारों में दहशत फैल गई। पीड़ित के मुताबिक, उसी समय उनके छोटे भाई कुलताज के रिश्तेदार वहां पहुंचे, जिनकी गाड़ी में एक महिला और दो छोटे बच्चे सवार थे। हुड़दंग कर रहे युवकों ने अपनी कार उनके पास लाकर रोकी और महिला व बच्चों के साथ बेहद अभद्र व्यवहार और बदतमीजी की। युवकों की इस हरकत को देखकर जब पीड़ित परिवार के लोग लाठियां लेकर बाहर निकले, तब आरोपी डरकर गाड़ी सहित मौके से भाग गए। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में क्रेटा गाड़ी का नंबर और हुड़दंग कर रहे लड़कों के चेहरे पूरी तरह साफ नजर आ रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया गया है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी गई है।

चीनी के दाम एक सप्ताह में 62 रुपए बढ़े

चावल, गेहूं, अधिकतर दालें और खाद्य तेल भी हुए महंगे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू थोक जिंस बाजारों में आम उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। चीनी, चावल, गेहूं, दालों और खाद्य तेलों सहित अधिकतर आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। चीनी लगातार चौथे सप्ताह महंगी हुई है, जिसके खुदरा बाजार में भी दाम बढ़े हैं। थोक बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 62 रुपये प्रति क्विंटल महंगी होकर 5,506 रुपये पर पहुंच गई, जबकि खुदरा बाजार में यह 58 पैसे प्रति किलोग्राम बढ़कर 59.18 रुपये हो गई। हालांकि, गुड़ के भाव में 3 रुपये की नरमी रही। अनाज खंड में भी तेजी देखने को मिली। चावल की औसत कीमत 70 रुपये बढ़कर 4,377 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, वहीं गेहूं 29 रुपये महंगा होकर 2,939 रुपये और आटा 18 रुपये बढ़कर 3,395 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। दालों में भी उछाल रहा; तुअर दाल 162 रुपये, चना दाल 69 रुपये, मूंग दाल 34 रुपये और उड़द दाल 31 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। इसके विपरीत, मसूर दाल 33 रुपये सस्ती हुई। खाद्य तेलों में भी कीमतें बढ़ीं। सरसों तेल सर्वाधिक 233 रुपये, पाम ऑयल 51 रुपये, सूरजमुखी तेल 39 रुपये, सोया तेल 12 रुपये और मूंगफली तेल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। हालांकि, वनस्पति तेल में 52 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

1 दिन में 28.6 फीसदी टूटा, इंटेल का शेयर, एआई खर्च पर निवेशकों ने उठाए सवाल

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी इंटेल के शेयर एक ही दिन में 28.6 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है । इस गिरावट ने वैश्विक शेयर बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में आगे निकलने के लिए इंटेल बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। कंपनी के डेटा सेंटर, चिप निर्माण और एआई तकनीक से जुड़े खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। निवेशकों को इन भारी खर्चों के मुकाबले मुनाफे और भविष्य की कमाई पर कोई बेहतर भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। निवेशक कंपनी के प्रबंधन से सवाल कर रहे हैं। एआई पर लगाए जा रहे अरबों डॉलर का वास्तविक आर्थिक लाभ निवेशकों को कब मिलेगा। इसको लेकर निवेशक आशंकित हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई।कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। देशभर में इन मॉडल की डिलिवरी में भी तेजी देखने को मिल रही है।जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है।

हुंदै की बिक्री 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई पर

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अक्टूबर में अब तक की सबसे ज्यादा मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 16.7 प्रतिशत बढ़कर 62,799 इकाई रही। वहीं निर्यात में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 19,500 इकाई पर पहुंच गया। हुंदै मोटर इंडिया के अधिकारी ने कहा कि त्योहारी मांग में मजबूती और घरेलू एवं निर्यात बाजारों में बेहतर प्रदर्शन के चलते कंपनी ने बिक्री का नया रिकॉर्ड हासिल किया है। खबरों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में देश में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री 29.7 प्रतिशत बढ़कर 26.59 लाख इकाई तक पहुंच गई। वहीं, भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग केंद्रों का बाजार वर्ष 2025 के 6,139 करोड़ रुपये से बढ़कर 2030 तक 21,940 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

तिमाही नतीजे,आर्थिक आंकड़े और वैश्विक संकेत तय करेंगे नई दिशा

निवेशकों की नजर अब ऑटो बिक्री, पीएमआई और दिग्गज कंपनियों के आय पर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। पिछले हफ्ते की जोरदार तेजी के बाद अब निवेशकों की निगाहें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक घटनाक्रमों पर टिकी रहेंगी। ये सभी कारक बाजार की आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। आने वाले हफ्ते में ऑटो कंपनियों के अक्टूबर महीने के बिक्री आंकड़े और मैन्युफैक्चरिंग तथा सर्विसेज पीएमआई रिपोर्ट्स जारी होंगी। इसके साथ ही आईटीसी, मैरिको, पेट्रोनेट एलएनजी, अपोलो हॉस्पिटल्स, बीएसई, डाबर, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंडाल्को जैसी नौ दिग्गज कंपनियां अपने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका में मिडटर्म चुनाव, रोजगार के आंकड़े और एप्पल व एएमडी जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों और फार्मा व आईटी शेयरों में आई मजबूत खरीदारी ने बाजार के उत्साह को बढ़ाया। सेक्टरवार प्रदर्शन में फार्मा और हेल्थकेयर में 7 फीसदी तक की जोरदार तेजी देखने को मिली, जबकि मीडिया, कैपिटल मार्केट्स और रियल्टी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

संस्थागत निवेशकों के मोर्चे पर, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 45,161 करोड़ रुपये के शेयरों की भारी बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये की मजबूत खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया, जिससे एफआईआई की बिकवाली का असर काफी हद तक संतुलित रहा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व का तनाव चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ सकता है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में नैस्डैक और एसएंडपी में आई गिरावट भी अगले हफ्ते घरेलू बाजार पर दबाव डाल सकती है।

तकनीकी स्तर पर, निफ्टी के लिए 23,150 से 23,160 का स्तर बड़ा रेजिस्टेंस है, जिसके पार जाने पर 23,500 तक की तेजी संभव है, जबकि नीचे 22,845 अहम सपोर्ट रहेगा। निवेशकों को आगामी हफ्तों में घोषित होने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर पैनी नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

धनतेरस और दीपावली पर खरीदारों की बल्ले-बल्ले

मुंबई ।



धनतेरस और दीपावली से पहले भारतीय सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कीमती धातुओं के भाव नीचे आए हैं। 31 अक्टूबर को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 3,200 रुपये गिरकर 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 4,200 रुपये टूटकर 1.86 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 30 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने का बंद भाव 1,40,054 रुपये और चांदी का भाव 1,81,344 रुपये प्रति किलो था। कीमतों में गिरावट से त्योहारों पर आभूषण खरीदने की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। ज्वेलरी कारोबारियों को भी उम्मीद है कि कम कीमतों के चलते धनतेरस और दीपावली पर खरीदारी बढ़ेगी। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

महिंद्रा की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,31,109 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

कंपनी का निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा

नई दिल्ली ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,31,109 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक अक्टूबर में निर्यात सहित कुल बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा। घरेलू यात्री वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई हो गई, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33,037 इकाई रही। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि अक्टूबर में कंपनी की एसयूवी बिक्री 73,338 इकाई और कुल वाहन बिक्री 1,31,109 इकाई रही, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम और नए सिरे से पेश किए गए उत्पादों की वजह से एसयूवी, पिकअप और तिपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रही। कंपनी के पहले सीएनजी वाहन एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी को भी ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहन सहित तिपहिया वाहनों की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़कर 17,632 इकाई हो गई। वहीं, दो से 3.5 टन क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 28,654 इकाई रही। हालांकि, दो टन से कम क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत घटकर 4,383 इकाई रह गई।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई ने अक्टूबर में निकाले 34,843 करोड़

इस साल अब तक कुल निकासी 2.95 लाख करोड़ पहुंची

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला अक्टूबर महीने में भी जारी रहा। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयरों से 34,843 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है, जो लगातार दूसरा महीना है जब उन्होंने बाजार से भारी मात्रा में पैसा निकाला है। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने फिर से खरीदारी की, जिससे निकट अवधि में निवेश धारणा में सुधार के संकेत मिले हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये की निकासी से पहले, सितंबर में भी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इस भारी बिकवाली के बाद, इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 2.95 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इससे पहले जुलाई और अगस्त में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ रुपये और 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बिकवाली के कारण और वापसी के संकेत- बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, अक्टूबर के दौरान विदेशी निवेशकों की बिकवाली के प्रमुख कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर चिंता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल का आकर्षक होना रहे। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत में महंगाई बढ़ाने के साथ कंपनियों के मुनाफे पर भी दबाव डाल सकती हैं, जिससे निवेशकों का रुझान प्रभावित हुआ। हालांकि, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह (26 से 30 अक्टूबर) के दौरान विदेशी निवेशकों ने लगभग 6,300 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जो एक सकारात्मक बदलाव है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला, भारत की बड़ी कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन और घरेलू अर्थव्यवस्था में निरंतर वृद्धि के संकेत इस वापसी के संभावित कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि केवल एक सप्ताह की खरीदारी को विदेशी पूंजी की वापसी का स्थायी संकेत नहीं माना जा सकता। विदेशी निवेशकों की खरीदारी आगे भी जारी रहेगी या नहीं, यह काफी हद तक वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं भी इस तेजी की गति को सीमित कर सकती हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी बढ़कर 370 रुपए होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

दिसंबर 2026 तक 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर तेल कंपनियों की अंडर-रिकवरी बढ़कर लगभग 370 रुपये होने का अनुमान है। अंडर-रिकवरी का मतलब गैस सिलेंडर की वास्तविक लागत और उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली कीमत के बीच का अंतर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू सिलेंडर निर्धारित कीमत पर बेचे जा रहे हैं, जिससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। जानकारों के अनुसार नवंबर 2026 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर अंडर-रिकवरी लगभग 309 रुपये रहने का अनुमान है, जबकि दिसंबर में यह बढ़कर 370 रुपये तक पहुंच सकती है। सितंबर में यह अंतर लगभग 184 रुपये प्रति सिलेंडर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। लगातार बढ़ते अंतर से तेल विपणन कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है। वैश्विक बाजार में सऊदी अनुबंध मूल्य बढ़कर 756 डॉलर प्रति टन पहुंचने से घरेलू गैस की लागत में भी इजाफा हुआ है। सिलेंडर की खरीद, परिवहन, वितरण और अन्य खर्चों को जोड़ने के बाद कंपनियों की वास्तविक लागत घरेलू बाजार में तय बिक्री मूल्य से अधिक हो रही है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर की कीमत लगभग 942 रुपये होने के बावजूद कंपनियों को अनुमानित 370 रुपये प्रति सिलेंडर का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन इस अंतर का सामना कर रही हैं। भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी हजारों करोड़ रुपये की अंडर-रिकवरी दर्ज की है।

ऐसी स्थिति में कंपनियां सरकारी वित्तीय सहायता की उम्मीद करती हैं। मुआवजा मिलने तक नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे व्यावसायिक क्षेत्रों से होने वाली कमाई का इस्तेमाल किया जाता है। इसे क्रॉस-सब्सिडी कहा जाता है। याकि कि कमर्शियल एलपीजी, विमान ईंधन या अन्य कारोबार से होने वाले लाभ के जरिए घरेलू गैस की बिक्री से हुए नुकसान को पूरा करने की कोशिश की जाती है।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 2.31 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश का कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू गतिविधियों में मजबूती और आयात से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि इस उछाल के प्रमुख कारण रहे। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में घरेलू बिक्री से जीएसटी संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में 42 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये हो गया। कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। रिफंड के समायोजन के बाद, अक्टूबर में शुद्ध जीएसटी संग्रह 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर तक सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो इस सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

लोढ़ा डेवलपर्स गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स में कार्यालय परिसर बनाएगी

1,200 करोड़ करेगी निवेश, मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में कदम रखते हुए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रीमियम कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना बनाई है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी। पिछले साल लोढ़ा डेवलपर्स ने गुरुग्राम में दो परियोजनाओं के लिए एमआरजी समूह के साथ संयुक्त विकास करार किया था। इनमें से एक परियोजना वाणिज्यिक और एक आवासीय है। लोढ़ा डेवलपर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल में 1.2 एकड़ में फैली अपनी वाणिज्यिक परियोजना लोढ़ा पैथियन पेश की है। इसमें 27 मंजिलों में कुल चार लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये है। कंपनी इस ग्रेड ए प्लस प्लस वाणिज्यिक परियोजना में कार्यालय स्थल बेचेगी।मोदी के मुताबिक, गुरुग्राम में प्रीमियम कार्यालय स्थल की अच्छी मांग है। कई कारोबारी समूह लंबे समय तक किराये पर कार्यालय लेने के बजाय खुद की व्यावसायिक संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

कंपनी चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गुरुग्राम के सोहना रोड पर आवासीय परियोजना भी पेश करने की तैयारी कर रही है।

उत्तर प्रदेश में सीएनजी महंगी, लखनऊ से उन्नाव तक नई दरें लागू

लखनऊ ।

बढ़ती लागत और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच ग्रीन गैस लिमिटेड ने एक नवंबर से उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी गई है। अलग-अलग शहरों में कीमतों में एक रुपये से लेकर 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे वाहन चालकों के ईंधन खर्च में इजाफा होगा। नई दरों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में सीएनजी की कीमत 107 रुपये से बढ़कर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। आगरा में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी एक रुपये महंगी हुई है। इन दोनों शहरों में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 106 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उन्नाव में की गई है। यहां सीएनजी की कीमत में 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है। नई दर लागू होने के बाद उन्नाव में एक किलोग्राम सीएनजी अब 106 रुपये में मिलेगी। कीमतों में बदलाव से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों का खर्च भी बढ़ सकता है। ग्रीन गैस लिमिटेड का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गैस की आपूर्ति में संकट और लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को दी 1.09 लाख करोड़ की सौगात

यूपी को सबसे ज्यादा 19,208 करोड़ रुपए, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी की है। यह राशि राज्यों को मिलने वाली नियमित मासिक कर हिस्सेदारी के अतिरिक्त है। इससे राज्यों को त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च के साथ विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में राहत मिलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार, राज्यों को यह अग्रिम किस्त 31 अक्टूबर की रात जारी की गई है। सरकार का उद्देश्य राज्यों को अतिरिक्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराकर उनके वित्तीय प्रबंधन को आसान बनाना है। इससे राज्य सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं पर खर्च बढ़ा सकेंगे। साथ ही कर्मचारियों के वेतन और अन्य जरूरी भुगतान करने में भी मदद मिलेगी। इस विशेष किस्त में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सबसे कम 365 करोड़ रुपये सिक्किम को आवंटित किए गए हैं। केंद्र सरकार केंद्रीय करों से होने वाली कमाई का निर्धारित हिस्सा राज्यों को देती है। इसमें जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स से प्राप्त राजस्व शामिल है। वर्तमान व्यवस्था के तहत केंद्रीय करों के विभाज्य पूल का 41 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के बीच बांटा जाता है। यह राशि सामान्य रूप से हर महीने किस्तों में जारी होती है। हालांकि, इस बार त्योहारों और बढ़ते सरकारी खर्च को देखते हुए केंद्र ने नियमित किस्त से पहले अतिरिक्त राशि जारी की है। राज्यों को होंगे ये प्रमुख फायदे

- विकास परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त बजट मिलेगा।

- सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े काम तेज होंगे।

जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में मदद मिलेगी।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन और जरूरी भुगतान में सुविधा होगी।

- त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च का प्रबंधन आसान होगा।

तमिलनाडु में शराब की हर बोतल पर 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क

खाली बोतल लौटाने पर मिलेगा पैसा वापस

चेन्नई ।

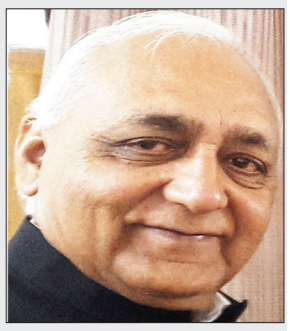
तमिलनाडु में शराब खरीदने वालों की जेब पर 1 नवंबर से अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। राज्य में अब इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल), बीयर और वाइन की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। हालांकि, ग्राहकों को राहत देने के लिए खाली बोतल निर्धारित दुकानों पर लौटाने पर यह रकम वापस पाने का विकल्प भी दिया गया है। तमिलनाडु सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री पर पर्यावरण और सामाजिक कल्याण शुल्क लागू किया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए धन जुटाना है। इसके साथ ही शराब की खाली बोतलों के उचित निपटान और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना भी इसका मकसद है। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन ने नई व्यवस्था लागू करने के लिए शराब आपूर्तिकर्ताओं और स्थानीय उत्पादकों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोतलों पर नई कीमतों के अनुरूप क्यूआर कोड वाले मूल्य लेबल लगाने



होंगे। शराब की दुकानों और लाइसेंस प्राप्त बिक्री केंद्रों पर भी नई व्यवस्था के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। शराब की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, निर्धारित दुकानों और बिक्री केंद्रों पर खाली बोतल लौटाने पर 10 रुपये वापस मिलेंगे, बोतल वापसी के लिए तय प्रक्रिया का पालन करना होगा, खाली बोतलों को सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने से रोकने में मदद मिलेगी और बोतलों के पुनः उपयोग और उचित निपटान को बढ़ावा मिलेगा।

नई व्यवस्था में शुल्क से जुड़ी वित्तीय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पांच क्षेत्रीय क्षेत्रों में अलग-अलग बैंक खाते बनाए गए हैं। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित शुल्क के अलावा मनमानी वसूली नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसराइलः ध्वस्त हुआ नेतन्याहू के अपराजित होने का मिथक



तनवीर जाफ़री

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए।

इज़राइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली नेसेट अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की लिकुड पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर लिकुड पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो ज़रूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मज़बूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का क़रीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइज़नकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़-तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं। इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदताओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हज़ारों डॉलर ख़र्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के



पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। विपक्षी नेताओं व समाज के एक बड़े वर्ग द्वारा इसकी जांच की मांग भी होती रही है, लेकिन नेतन्याहू इस जांच के लिए कभी तैयार नहीं हुये। इसलिये इस्राईली समाज का एक बड़ा वर्ग 7 अक्तूबर की घटना को एक सुनियोजित व सत्ता प्रायोजित साज़िश के संदेह से भी इनकार नहीं करता। अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के क़यास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग-अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख़ को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक़्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गज़ा और लेबनान में सैन्य सफलताओं को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, बंधकों की घर वापसी में विफलता और देश के आर्थिक नुक़्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की अजेय सुरक्षा प्रदाता वाली छवि को चोट पहुंचाई।

नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर-दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को ख़त्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके ख़िलाफ़ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाज़ी की और अरब नागरिकों पर चुनाव चुराने का आरोप लगाया। नेतन्याहू के इस आक्रामक रुख़ ने डर पैदा करने के बजाय अरब मतदाताओं को एकजुट कर दिया, जिसके कारण उन्होंने रिकॉर्ड संख्या में बाहर निकलकर नेतन्याहू व उनके गठबंधन के ख़िलाफ़ वोट डाला। युद्ध के इस दौर में भी नेतन्याहू द्वारा कट्टरपंथी रूढ़ीवादी यहूदियों को सेना की अनिवार्य सेवा से छूट देना भी आम इस्राइलियों को रास नहीं आया, जो लंबे समय से मोर्चे पर लड़ रहे हैं। विपक्ष ने इसे भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था ।

इस्राईल के चुनाव परिणाम से यह संकेत भी साफ़ है कि नेतन्याहू ने भले ही अपनी लिकुड पार्टी को सबसे बड़े दल के रूप में बचा लिया हो, लेकिन उनकी आक्रामक और ध्रुवीकरण की राजनीति ने उनके विरोधियों और देश के अरब अल्पसंख्यकों को इस क़दर लामबंद कर दिया कि वे स्पष्ट बहुमत से 8 सीटें दूर रह गए। इसलिये कहना ग़लत नहीं होगा कि इस्राईल में बदलाव की चाहत रखने वाले और उनके कट्टर रवैये से असहमत लोगों ने उनके अपराजित होने के मिथक को ध्वस्त कर दिया है।

संपादकीय

ऐसी संसद का औचित्य

हम आपको 20 अगस्त, 2010 का एक घटनाक्रम बताते हैं। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। डा. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और मीरा कुमार लोकसभा स्पीकर थीं। उस दिन लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हो चुकी थी, लेकिन सरकार के समर्थक दलों के 60 से अधिक सांसद लोकसभा हॉल में ही मौजूद थे। उनमें सपा के मुलायम सिंह यादव, राजद के लालू प्रसाद यादव, जनता दल-यू के शरद यादव समेत उन सांसदों ने एक 'नकली संसद' का आयोजन किया। अंग्रेजी में इसे 'मॉक पार्लियामेंट' कहते हैं। उसकी कृत्रिम कार्यवाही के मद्देनजर लालू यादव को 'प्रधानमंत्री' बनाया गया और वे सभी सांसद 'ट्रेजरी सीटों' पर बैठ गए। दिलचस्प यह है कि तत्कालीन भाजपा संसदीय दल के उपनेता गोपीनाथ मुंडे को 'कृत्रिम स्पीकर' की भूमिका दी गई। यह दीगर है कि पार्टी आलाकमान ने उन हरकतों के लिए मुंडे को खूब फटकार लगाई। कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। उस 'नकली संसद' का आयोजन कैबिनेट द्वारा पारित किए गए सांसद वेतन, भत्ते आदि के बिल और 'मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया' बिल के विरोध में किया गया था। यह ड्रामा करने वाले सांसद चाहते थे कि उनका वेतन ज्यादा बढ़ाया जाए। बहरहाल तत्कालीन स्पीकर मीरा कुमार को जब उस नाटक की जानकारी मिली, तो उन्होंने 'नकली संसद' के आयोजकों को फटकार लगाई, निराशा व्यक्त की और उसे 'असंसदीय' तथा 'असंवैधानिक' आचरण करार दिया। आज उसी मीरा कुमार ने 'एक और नकली संसद' की अध्यक्षता की है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ महाभियोग के 'जन-संस्करण' पर चर्चा तय की गई थी। यह 'नकली संसद' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सरकारी आवास पर आयोजित की गई। यदि 2010 का आचरण और आयोजन 'असंसदीय' और 'असंवैधानिक' था, तो कांग्रेस का यह नाटक भी गलत और आपत्तिजनक है। क्या मौजूदा स्पीकर ओम बिरला कांग्रेस नेता से स्पष्टीकरण मांगेंगे? क्या नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस संदर्भ में 'असंसदीय' करार दिए जा सकते हैं? बेशक कांग्रेस का यह प्रयास कुंठित और निराशाजनक है, क्योंकि संसद का 'नकली संस्करण' पेश नहीं किया जा सकता। संसद सड़क पर नहीं लाई जा सकती। पहले यह आयोजन 'अशोका होटल' में किया जाना था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अनुमति नहीं दी। बेशक सीईसी या किसी अन्य संवैधानिक पदासीन व्यक्ति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संसद में लाने को कांग्रेस और विपक्ष स्वतंत्र हैं। उन्हें संसदीय अधिकार भी प्राप्त हैं, लेकिन लोकसभा में स्पीकर और राज्यसभा में सभापति (देश के उपराष्ट्रपति) को भी विशेषाधिकार हैं कि वे ऐसे प्रस्ताव स्वीकार करें या उन्हें खारिज कर दें।

उसे चुनौती नहीं दी जा सकती। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी कांग्रेस और 'इंडी गठबंधन' के दलों ने सीईसी के ही खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव के नोटिस दिए थे। जितने सांसदों के हस्ताक्षर होने अनिवार्य हैं, उनसे अधिक ही दस्तखत कराए गए थे, लेकिन उन नोटिसों और प्रस्ताव को 'विचारणीय' नहीं माना गया, लिहाजा खारिज कर दिए गए। कांग्रेस इस निर्णय की कुछ भी व्याख्या करे। अब नए सिरे से ये प्रस्ताव संसद में ही पेश किए जा सकते हैं। चूंकि 'महाभियोग' एक संसदीय और संवैधानिक प्रक्रिया है, लिहाजा उस पर संसद में ही विचार किया जा सकता है। संसद में न्यायाधीश के खिलाफ भी महाभियोग प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं, लेकिन आज तक यह प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सका है, क्योंकि यह बेहद लंबी और पेचीदा प्रक्रिया है। उसका नकली संस्करण स्वीकार्य नहीं है, लिहाजा यह आयोजन दंडनीय भी होना चाहिए। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव, 2024 के बाद से ही 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाते रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान यह 'चरम' पर था, लेकिन कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 विधायक ही आए। उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, बंगाल, असम आदि के विधानसभा चुनावों को भी 'वोट चोरी' माना जाता है और खड़गे यहां की सरकारों को 'चोरी की सरकारें' करार देते हैं। यह मुद्दा सर्वोच्च अदालत में भी कई बार उठा है, अदालत ने विपक्ष से 'वोट चोरी' के सबूत मांगे हैं, लेकिन नहीं दे पाए। राष्ट्रपति को भी ज्ञापन सौंपा था, उन्होंने भी सबूत मांगे थे, आज तक उपलब्ध नहीं करा पाए। अब 1 नवंबर को कांग्रेस-इंडी गठबंधन की जो रैली होनी है, उसका बुनियादी मुद्दा भी यही है। रैली से पहले 'हवा' बनाने के लिए 'नकली संसद' का आयोजन किया गया। इस राजनीति का क्या औचित्य है?

चिंतन-मनन

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं?

यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा- बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं?

डिजिटल ठगी पर बैंकों की जवाबदेही जरूरी



कांतिलाल मांडोत



डिजिटल तकनीक ने जीवन को जितना आसान और सुविधाजनक बनाया है, उतना ही इसके दुरुपयोग ने आम नागरिकों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे बैंकिंग, खरीदारी, भुगतान और आर्थिक लेनदेन संभव हो गया है, लेकिन इसी सुविधा का लाभ उठाकर साइबर अपराधी लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। डिजिटल ठगी अब केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह देश की आर्थिक सुरक्षा, नागरिकों के विश्वास और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुकी है। आए दिन साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं समाचारों की सुर्खियां बनती हैं। कभी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए जाते हैं तो कभी बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को भयभीत किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि आखिर इतनी जागरूकता के बावजूद पढ़े-लिखे लोग भी साइबर अपराधियों के जाल में कैसे फंस रहे हैं? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान यहां तक कहा कि मोबाइल पर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यदि कोई इस तरह डराता है तो मोबाइल दीवार पर मार दीजिए, डिजिटल अरेस्ट अपने आप खत्म हो जाएगा। उनकी यह टिप्पणी केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला संदेश है। कानून की जानकारी रखने वाले और शिक्षित नागरिक भी जब फर्जी गिरफ्तारी, जांच और कानूनी कार्रवाई के भय से अपनी जमा पूंजी ठगों को सौंप देते हैं तो यह चिंता का विषय बन जाता है।

डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का ऐसा तरीका है जिसमें ठग स्वयं को पुलिस, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय या अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर किसी व्यक्ति को फोन अथवा वीडियो कॉल के माध्यम से डराते हैं। उसे किसी गंभीर अपराध में शामिल होने की झूठी कहानी सुनाई जाती है। फिर गिरफ्तारी, पूछताछ और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर लगातार निगरानी में रखा जाता है। पीड़ित व्यक्ति को परिवार और परिचितों से बात करने तक से रोका जाता है। इसी मानसिक दबाव में वह अपनी बैंक जमा पूंजी अपराधियों के खातों में स्थानांतरित कर देता है। वास्तविकता यह है कि भारत में डिजिटल माध्यम से किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। किसी भी सरकारी एजेंसी की कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही होती है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण चिंता बैंकों की जवाबदेही को लेकर है। अदालत ने संकेत दिया है कि यदि बैंक की लापरवाही के कारण डिजिटल ठगी होती है तो बैंक को मुआवजा देने के लिए निर्देशित करने पर विचार किया जा सकता है। यह विचार साइबर अपराध के विरुद्ध लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अभी तक अधिकांश मामलों में ठगी का शिकार होने वाला व्यक्ति ही अपनी रकम वापस पाने के लिए बैंक, पुलिस और साइबर अपराध शाखा के चक्कर लगाता रहता है। कई बार शिकायत दर्ज होने के बावजूद धनराशि वापस नहीं मिल पाती। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब बैंक ग्राहकों की जमा पूंजी की सुरक्षा और आर्थिक लेनदेन की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं तो संदिग्ध गतिविधियों के समय उनकी जवाबदेही क्यों तय नहीं होनी चाहिए?

बैंकिंग व्यवस्था में प्रत्येक ग्राहक के खाते से होने वाले लेनदेन का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है। किसी खाते में अचानक असामान्य रूप से बड़ी रकम जमा होना, कुछ ही मिनटों में कई खातों में धनराशि स्थानांतरित होना अथवा सामान्य व्यवहार से अलग लेनदेन होना संदेह पैदा करने के पर्याप्त कारण हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी असामान्य लेनदेन की स्थिति में बैंकों की जिम्मेदारी और पुलिस को सूचना देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अदालत ने म्यूल अकाउंट्स पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। ऐसे खाते साइबर अपराधी दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाकर या उनके बैंक खातों का दुरुपयोग करके ठगी की रकम को आगे भेजने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इन खातों पर समय रहते निगरानी हो तो अपराधियों के नेटवर्क को कमजोर किया जा सकता है।

बैंकों को केवल लेनदेन पूरा करने वाली संस्था समझना पर्याप्त नहीं है। उन्हें ग्राहकों की आर्थिक सुरक्षा का सक्रिय प्रहरी भी बनना होगा। संदिग्ध लेनदेन की पहचान के लिए आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रभावी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है। यदि किसी ग्राहक के खाते में अचानक असामान्य गतिविधि दिखाई देती है तो बैंक को तत्काल ग्राहक से संपर्क करना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर संदिग्ध लेनदेन को रोकने और संबंधित पुलिस अधिकारियों को सूचना देने की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही बैंक कर्मचारियों को भी साइबर अपराध के नए तरीकों के प्रति प्रशिक्षित करना आवश्यक है।

साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए केवल बैंक और पुलिस की जिम्मेदारी तय करना पर्याप्त नहीं होगा। नागरिकों को भी अपनी जागरूकता बढ़ानी होगी। किसी अनजान व्यक्ति को मोबाइल पर बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या व्यक्तिगत विवरण नहीं देना चाहिए। किसी भी सरकारी अधिकारी के नाम पर फोन करके पैसे की मांग की जाए तो उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए। किसी भी प्रकार की धमकी मिलने पर घबराने के बजाय परिवार के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। साइबर ठगी होने पर तुरंत बैंक को सूचित करके राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस दिशा में उम्मीद जगाता है कि डिजिटल ठगी के मामलों में अब केवल पीड़ित नागरिक की परेशानी नहीं, बल्कि बैंकिंग संस्थाओं की जिम्मेदारी भी गंभीरता से तय होगी। अटॉर्नी जनरल की ओर से अदालत को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद डिजिटल अरेस्ट के मामलों में कमी आई है, लेकिन देश को अब भी साइबर अपराध के कारण भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि जागरूकता अभियान के साथ कठोर निगरानी और प्रभावी जवाबदेही भी आवश्यक है। डिजिटल भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब नागरिकों का डिजिटल व्यवस्था पर भरोसा सुरक्षित रहेगा। तकनीक विकास का माध्यम बने, भय और ठगी का हथियार नहीं। बैंकिंग संस्थाओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और साइबर अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी है कि ग्राहक की मेहनत की कमाई की सुरक्षा केवल उसकी निजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की भी जवाबदेही है।

तीर्थयात्रियों के जीवन पर भारी पड़ रही है हेलीकॉप्टर यात्रा



मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में वर्ष पर्यन्त धार्मिक अनुष्ठान पूजा स्नान पर्व त्यौहार व यात्राओं का सिलसिला जारी रहता है जैसे विज्ञान की तरक्की हो रही है धार्मिक स्थलों की यात्रा जो कालांतर में पथरीली पहाड़ियों से पद यात्रा करते हुए बहुत जटिल और दुर्गम परिस्थितियों में की जाती रहीं अब यातायात के आधुनिक परिवहन साधनों के जरिए की जाने लगीं है इसी के चलते अब सम्पन्न लोगों के लिए हेली सर्विस धार्मिक स्थलों की सुगम यात्राएं कराने लगी हैं । लेकिन इनमें सुरक्षा इंतजाम में जबरदस्त खामी और नियमों का उल्लंघन लगातार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। हाल ही में 30 अक्टूबर को हुए हादसे में जोशीमठ इलाके में धार्मिक पर्यटन कर रहे चौपर सवार छह श्रद्धालुओं की दुखद मौत ने एक बार फिर हैलीकॉप्टर सेवा दे रही कंपनियों द्वारा बरती जा रही अनियमितता और भारी लापरवाही को अनावृत कर दिया है।

भारत में धार्मिक पर्यटन जैसे चारधाम यात्रा, वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा के दौरान पिछले कुछ वर्षों में कई दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं। हिमालयी क्षेत्रों का अचानक बदलता मौसम, खराब दृश्यता और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां इन हादसों का मुख्य कारण रही हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अकेले उत्तराखंड में साल 2016 से 2026 के बीच 12 हेलीकॉप्टर हादसे हो चुके हैं, जिनमें 21 लोगों की जान गई है।

उत्तराखंड के केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के रूट पर सबसे ज्यादा हादसे दर्ज किए गए हैं।

आपको बता दें कि 30 अक्टूबर 2026 जोशीमठ/बदरीनाथ धाम से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का एक निजी हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी के बीच चमोली जिले में हाथी पर्वत (चाई गांव) के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट सहित 6 लोगों की मौत हो गई।

15 जून 2025 केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन का बेल 407 हेलीकॉप्टर केदारनाथ से गुप्तकाशी लौटते समय गौरीकुंड (गौरीमाई खर्क) के पास घने बादलों के कारण पहाड़ी से टकरा गया। इस हादसे में पायलट और एक बच्चे समेत 7 लोगों की जान चली गई।

18 अक्टूबर 2022 केदारनाथ धाम से उड़ान भरने के महज 5-6 सेकंड बाद ही एक हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी और खराब विजिबिलिटी के कारण क्रैश हो गया, जिसमें 7 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी।

मई 2025 देहरादून से हर्षिल यमुनोत्री मार्ग जा रहा एक और बेल 407 हेलीकॉप्टर पहाड़ी से टकराया, जिसमें 6 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर माता वैष्णो देवी यात्रा नवंबर 2015 के हादसे में माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं को ले जा रहा एक निजी हेलीकॉप्टर कटरा में टेक-ऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। शुरुआती जांच में पता चला था कि रोटर (पंखे) से एक गिद्ध के टकराने के कारण हेलीकॉप्टर में आग लग गई थी। इस हादसे में एक महिला पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई थी।

2026 जोशीमठ (बदरीनाथ मार्ग) ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर खराब मौसम और बर्फबारी से प्रभावित दृश्यता के चलते पांच श्रद्धालुओं और एक पायलट की मौत हो गई।

2025 गौरीकुंड सोनप्रयाग (केदारनाथ मार्ग) आर्यन एविएशन घने बादल और कम दृश्यता के कारण छह तीर्थयात्रियों एक बच्चा और एक पायलट की मौत हो गई थी।

8 मई 2025 को हर्षिल (यमुनोत्री मार्ग) पर खराब मौसम के कारण पहाड़ी से टकरा कर चौपर गिरने से पांच महिला श्रद्धालुओं और पायलट की मौत हो गई।

18 अक्टूबर 2022 को केदारनाथ घाटी आर्यन एविएशन के चौपर में तकनीकी खराबी और कोहरा के चलते छल श्रद्धालु और एक पायलट की मौत हो गई।

अप्रैल 2018 में केदारनाथ हैलीपेड पर लेंडिंग के दौरान वायुसेना के मालवाहक चोपर के क्रश हो जाने से एक मौत व तीन जख्मी हुए।

23 नवंबर 2015 कटरा सांझीछत वैष्णो देवी पर पक्षी (गिद्ध) का टकराना और आग लगना छह श्रद्धालुओं और एक महिला पायलट का जीवन लील गया।

सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम सिर्फ कागजो पर चल रहे हैं।

लगातार हो रहे हादसों के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने सुरक्षा नियमों को काफी कड़ा कर दिया है। अब खराब मौसम की स्थिति में उड़ानों को तुरंत स्थगित करने का दावा किया जाता है, हेलीकॉप्टरों के अंदर इन-कैब कैमरे अनिवार्य किए जा रहे हैं, और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के पूरे बेड़े को ग्राउंड करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इस के बावजूद हेली हादसे बता रहे हैं कि तमाम नियम कानून और निर्देश सिर्फ काग़ज़ पर चल रहे हैं और एविएशन कंपनी अधिक लाभ कमाने के लालच में असामान्य परिस्थितियों में भी चौपर उड़ान करा पायलट और श्रद्धालु यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रही है।

राज्यसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 से 2025 के बीच पूरे भारत में कुल 12 बड़े हेलीकॉप्टर हादसे हुए हैं, जिनमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई है।

इन आँकड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड में सबसे ज्यादा हादसे सामने आ रहे हैं। कुल 12 बड़े हादसों में से 7 दुर्घटनाएं अकेले उत्तराखंड में हुई हैं, और देश भर में हुई 30 मौतों में से 21 मौतें यानि करीब 70त्न इसी राज्य में हुई हैं।

जबकि अन्य राज्यों में इसी अवधि में महाराष्ट्र में 4 हेलीकॉप्टर क्रैश हुए जिनमें 7 लोगों की जान गई, और छत्तीसगढ़ में 1 दुर्घटना हुई जिसमें 2 लोगों की मौत हुई। उत्तराखंड में (2016 से 2026) पिछले 10 वर्षों (2016-2026) के दौरान अकेले उत्तराखंड में लगभग 13 हेलीकॉप्टर घटनाएं जिनमें जानलेवा हादसे और इमरजेंसी लैंडिंग शामिल हैं जिनसे वहां कुल 27 से अधिक लोगों की जान गई है।

सरकार को इन तमाम हादसों से सबक लेना चाहिए और एविएशन कंपनियों को नियमों का पालन करने और मनमानी पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर हमला :इंजन रूम में आग लगी

होर्मुज, एजेंसी। होर्मुज में शुक्रवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर पर दो लिम्पेट माइंस लगाई गई थीं। धमाके की वजह से इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन क्रू ने आग बुझा दी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सभी नाविक सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक, फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज में पहली बार लिम्पेट माइंस से हमला हुआ है। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, जहाज पर हमला ओमान के खासाब शहर से करीब 46 किलोमीटर दूर हुआ। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से 27 अक्टूबर तक होर्मुज और उसके आसपास 120 समुद्री घटनाएं हुई। इनमें व्यापारिक जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश तेज सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। इसमें ईरान के तेल-गैस ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों-ड्रोन के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

सऊदी अरब में मिसाइल-ड्रोन हमलों के बीच अमेरिकी मिशन ने जारी की एक और एडवाइजरी

वाशिंगटन/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में अहम ठिकानों पर हो रहे हमलों के मद्देनजर रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने मिशनों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने सभी गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। 30 अक्टूबर को अमेरिकी मिशन की ओर से जारी सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ हमलों और शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इन हमलों में नागरिक हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है। इनके कारण आम नागरिकों की मौत और यात्रा व्यवस्था में गंभीर व्यवधान की घटनाएं हुई हैं। अमेरिकी मिशन ने आशंका जताई है कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका प्रभाव संबंधित क्षेत्र से आगे भी फैल सकता है। एडवाइजरी के मुताबिक, सऊदी अरब में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को हाल में हवाई अड्डों पर हुए मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के हमलों के बाद देश के किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने के लिए मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेनी होगी। यूएस ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर हमले, हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा में व्यवधान की आशंका बनी हुई है। अमेरिकी मिशन ने नागरिकों को सलाह दी है कि यदि वे सऊदी अरब के हवाई अड्डों का इस्तेमाल करने का फैसला करते हैं तो अत्यधिक सावधानी बरतें। साथ ही यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी सीधे संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से प्राप्त करें। 10 अक्टूबर और फिर 25 अक्टूबर को रियाद स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत विभिन्न ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए गए थे। इसके बाद से कई बार अमेरिका अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी करता रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर सीसीटीवी ड्रोन और स्कैनर से होगी निगरानी, अवैध आवाजाही पर लगेगी रोक

काठमांडू, एजेंसी। भारत और नेपाल ने अपनी खुली सीमा की सुरक्षा मजबूत करने और निगरानी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने सीमा पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर लगाने तथा निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर चर्चा की। शुक्रवार को दोनों देशों के सशस्त्र बलों की 10वीं समन्वय बैठक के समापन पर ये फैसले किए गए।प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल ने इसमें हिस्सा लिया। भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल ने भी बैठक में भाग लिया। यह बैठक बुधवार को काठमांडू स्थित एपीएफ मुख्यालय में शुरू हुई थी।

यूएन महासचिव की दौड़ में रेबेका ग्रिन्सपैन सबसे आगे, यूएई की लाना नुसीबेह नहीं बना सकीं बढ़त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की प्रमुख रेबेका ग्रिन्सपैन संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव बनने की दौड़ में अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच हुए सातवें अनौपचारिक मतदान में उन्हें पिछले दौर के मुकाबले दो अधिक सकारात्मक वोट मिले। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की विदेश मामलों की राज्य मंत्री लाना नुसीबेह अपनी पहली ही परीक्षा में कोई खास बढ़त हासिल नहीं कर सकीं। कोस्टा रिका की ग्रिन्सपैन को इस मतदान में 11 वोट मिले, जबकि उनके खिलाफ वोटों की संख्या घटकर चार रह गई। पिछले मतदान में उनके पक्ष में नौ और विरोध में पांच वोट मिले थे। इस तरह उन्होंने अपनी स्थिति में कुछ सुधार किया है और अब भी इस दौड़ में सबसे आगे हैं। सात दौर के मतदान में से छह में वह शीर्ष पर रही हैं। हालांकि, इस बार के मतदान में यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ग्रिन्सपैन के खिलाफ पड़े चार वोटों में से कोई स्थायी सदस्य देश का था या नहीं। इसकी वजह यह है कि छठे दौर के विपरीत इस बार मतपत्रों को अलग-अलग रंगों से चिह्नित नहीं किया गया था। पिछले दौर में ग्रिन्सपैन के खिलाफ पांच नवोट मिले थे, जिनमें दो सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के थे। स्थायी सदस्य का विरोध किसी भी उम्मीदवार की राह में



बड़ी बाधा बन सकता है।

इस बीच, यूएई की ओर से पिछले सप्ताह उम्मीदवार घोषित की गई लाना नुसीबेह को पहली बार हुए मतदान में सात वोट मिले थे, जबकि उनके खिलाफ छह मत पड़े और दो तटस्थ वोट डाले गए थे। वह कुल उम्मीदवारों में चौथे स्थान पर रहीं। उनसे आगे अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख और अर्जेंटीना के राफेल ग्रॉसी दूसरे स्थान पर तथा गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट तीसरे स्थान पर रहीं।

ग्रॉसी के पक्ष में नौ, विरोध में चार और दो तटस्थ वोट मिले, जबकि रोड्रिग्स-बिर्केट को आठ सकारात्मक (पक्ष), छह नकारात्मक (विरुद्ध) और एक तटस्थ वोट मिला। मतदान की इस प्रक्रिया में सुरक्षा परिषद के सदस्य तीन तरह से अपनी राय देते हैं। वे 'प्रोत्साहित' (एन्करेज), 'हतोत्साहित' (डिस्करेज) और 'कोई राय नहीं' (नो ओपिनियन) के विकल्प चुनते हैं। इन्हें क्रमशः सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ मत माना जाता है। अक्टूबर महीने के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष रहीं ग्रीस की स्थायी प्रतिनिधि अग्लाया बाल्टा ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी की। उन्होंने औपचारिक रूप से परिणाम घोषित नहीं किए। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी खबरें प्रकाशित करने वाले मीडिया संस्थानों पासब्लू और 1फॉर8बिलियन ने इन परिणामों का खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल इस साल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए महासचिव के चयन के लिए समय तेजी से निकल रहा है। बाल्टा ने भरोसा जताया कि सुरक्षा परिषद समय रहते महासभा को अपनी सिफारिश भेज देगी, ताकि नए महासचिव को पदभार संभालने की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की योजना महासभा में नियुक्ति की प्रक्रिया समय पर पूरी कराने के लिए अपनी सिफारिश उचित समय पर भेजने की है। अगले महीने लातविया सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और महासचिव के चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उसके पास होगी। नए महासचिव के चयन में सुरक्षा परिषद की भूमिका निर्णायक है। किसी उम्मीदवार को कम से कम नौ सदस्यों का समर्थन हासिल करना होगा और पांच स्थायी सदस्यों में से किसी का भी विरोध नहीं होना चाहिए। स्थायी सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं। सुरक्षा परिषद की सिफारिश के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा 193 सदस्य देशों की भागीदारी से महासचिव की नियुक्ति करती है। आमतौर पर महासभा सुरक्षा परिषद की सिफारिश को मंजूरी दे देती है। फिलहाल परिषद के सदस्य बंद कमरे में बातचीत कर रहे हैं, ताकि उम्मीदवारों के बीच मतभेद कम किए जा सकें और किसी एक नाम पर सहमति बनाई जा सके। ग्रिन्सपैन के नकारात्मक वोटों में कमी और ग्रॉसी के समर्थन में बढ़ोतरी को इस बातचीत में कुछ प्रगति के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

शुक्रवार के मतदान के बाद ग्रिन्सपैन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि दुनिया ऐसे निर्णायक दौर से गुजर रही है, जिसमें एकजुट और आधुनिक संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है। उन्होंने सभी पक्षों की बात सुनने, जरूरी सुधारों को आगे बढ़ाने तथा शांति और सुरक्षा के साझा लक्ष्य को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस बार महासचिव पद के चुनाव को लेकर एक महिला उम्मीदवार के चयन की मांग भी जोर पकड़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के 80 साल से अधिक के इतिहास में अब तक नौ पुरुष इस पद पर रह चुके हैं, लेकिन किसी महिला को यह जिम्मेदारी नहीं मिली है।

इजराइल के आम चुनाव की जांच खुफिया एजेंसी मोसाद करेगी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है।

यिस्राइल बेतेनु के चीफ बोले- अरब पार्टियों के साथ सरकार में शामिल नहीं होंगे : इजराइल की यिस्राइल बेतेनु पार्टी के चीफ एविगडोर लिबरमैन ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें उनके मुताबिक आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोग हों। लिबरमैन ने शुक्रवार को फेसबुक पर पोस्ट कर कई अरब और वामपंथी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों का समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी चाहिए।

नेतन्याहू के बेटे बोले- ईरान के बाद इजराइल के लिए अरब नागरिक खतरा : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे यायर नेतन्याहू ने इजराइल के अरब नागरिकों को देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बाद इजराइली अरब नागरिक देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। द यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, यायर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर चुनाव नतीजों को लेकर यह बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि वेस्ट बैंक और गाजा के फिलिस्तीनियों, तुर्किये और पश्चिमी देशों में बढ़ते यहूदी-विरोध से भी बड़ा खतरा इजराइल के अरब नागरिकों से है। यायर ने लिखा कि इजराइल लंबे समय तक ऐसे हालात में नहीं टिक सकता, जहां उसकी 20% आबादी उसके दुश्मनों का समर्थन करती हो और देश का विनाश चाहती हो।

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है। हालांकि, हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को अब तक इससे बड़े स्तर पर छूट मिलती रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने काजा कैलास से यूक्रेन और खाड़ी संघर्ष पर चर्चा की

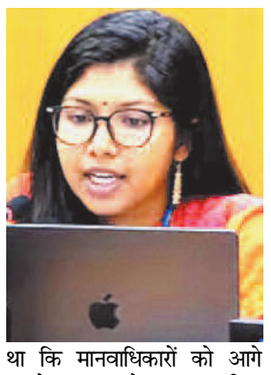
अटलांटा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान, विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के लिए ईयू की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास से मुलाकात की और वैश्विक संघर्षों पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईयू एचआरवीपी काजा कैलास के साथ यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी की स्थिति पर चर्चा की।' विदेश मंत्री ने आखिरी बार यूरोपीय संघ के नेता के साथ 25 अक्टूबर को राजनयिक पदों पर समन्वय के लिए फोन पर बात की थी, जिसमें खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष सहित वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

इस बीच, काजा कैलास ने जी20 बैठक के पहले पूर्ण सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व संघर्ष के कारण उत्पन्न संकट पर भी प्रकाश डाला। कैलास ने एक्स पोस्ट में कहा, 'यूक्रेन पर रूस का हमला और मध्य पूर्व संकट ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति, व्यापार और नेविगेशन की स्वतंत्रता के लिए बड़ा खतरा है। समुद्री मार्ग वैश्विक जीवन रेखाएं हैं।' उन्होंने कहा, 'अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में, मैंने काला सागर में नेविगेशन स्वतंत्रता की व्यवस्था का आह्वान किया और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों पर टोल और शुल्क के लिए यूरोपीय संघ के विरोध की पुष्टि की।' ईयू एचआरवीपी ने कहा, 'ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं।' इससे पहले, सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने वैश्विक चुनौतियों के समय कूटनीति के महत्व पर भारत के रुख को भी दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सैन्य समाधान वैश्विक चुनौतियों का समाधान नहीं करेंगे और कूटनीति को एक मौका दिया जाना चाहिए, साथ ही उन्होंने फिक्र जाहिर करते हुए कहा कि ग्लोबल साउथ शिपिंग पर हमलों के लिए असंगत कीमत चुका रहा है।

साख बचानी है तो छोड़े दोहरा रवैया': भारत की यूएनएचआरसी को खरी खरी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मानवाधिकार परिषद की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान भारत का पक्ष रखा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसकी साख तभी बनी रह सकती है, जब वह सभी देशों के साथ एक जैसा व्यवहार करे। किसी देश को शामिल किए बिना उसके खिलाफ विशेष आदेश जारी करने से जमीनी स्तर पर कोई खास बदलाव नहीं आता। इससे परिषद के भीतर मतभेद जरूर बढ़ते हैं। मानवाधिकारों की रक्षा के नाम पर किसी देश को निशाना बनाना या दोहरे मापदंड अपनाना सही तरीका नहीं है।

बातचीत और सहयोग से आगे बढ़ेंगे मानवाधिकार : भाविका मंगलानंदन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के फरवरी में दिए गए बयान का भी जिक्र किया। जयशंकर ने मानवाधिकार परिषद के 61वें उच्चस्तरीय सत्र में कहा



था कि मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका आपसी बातचीत, क्षमता बढ़ाने में मदद और सच्ची साझेदारी है। इसके बजाय राजनीतिक फायदे के लिए मानवाधिकारों का इस्तेमाल करना और चुनिंदा देशों पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। भारत का मानना है कि अगर परिषद को एकजुट होकर काम करना है, तो उसे उन आरोपों से बचना होगा, जिनमें कहा जाता है कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

सभी देशों के लिए एक जैसा नियम हो : भारत ने यूनिवर्सल पीरियोडिक रिव्यू को मानवाधिकारों पर चर्चा का बेहतर मंच बताया। इस व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा होती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें हर देश को बराबर माना जाता है और बातचीत के जरिए सुधार पर जोर दिया जाता है। भारत इस साल 2026-28 के कार्यकाल के लिए सातवीं बार मानवाधिकार परिषद का सदस्य बना है। आतंकवाद को बताया मानवाधिकारों के लिए बड़ा खतरा भारत ने आतंकवाद को मानवाधिकारों के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताया। खासतौर पर जीवन के अधिकार पर इसके खतरे को रेखांकित करते हुए परिषद से अपील की गई कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए और इस मुद्दे पर लगातार ध्यान दे। विकास के अधिकार को भी मिले बराबर महत्व भारत ने कहा कि मानवाधिकारों को अलग-अलग नजरिए से देखने के बजाय सभी अधिकारों को समान महत्व दिया जाना चाहिए। नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की तरह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के साथ विकास के अधिकार को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारत ने बताया कि विकासशील देशों में गरीबी, बढ़ता कर्ज और आर्थिक संसाधनों व नई तकनीक तक सीमित पहुंच लोगों के अधिकारों के रास्ते में बड़ी रुकावट हैं। इन समस्याओं का समाधान दबाव बनाकर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही निकाला जा सकता है। भारत ने यह भी कहा कि मानवाधिकार परिषद को अपने उपलब्ध संसाधनों के हिसाब से ही काम करना चाहिए। परिषद में सुधार की प्रक्रिया सदस्य देशों की अगुवाई में और पूरी पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए। इस दौरान विकास और आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े काम प्रभावित नहीं होने चाहिए। भारत ने मानवाधिकारों से जुड़े कामों के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट से पर्याप्त धन देने की मांग भी की।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी ⁄स्क्क के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया।



अदन यमनी सरकार का हेडक्वार्टर : अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है।

सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा : सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है।

यूक्रेन को बड़ी राहत: 500 पैट्रियट मिसाइलें देगा अमेरिका, जेलेंस्की बोले- सर्दियों से पहले मिलें हथियार

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए अमेरिका की ओर से 500 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'मजबूत फैसला' बताया, लेकिन अमेरिका से इन मिसाइलों की आपूर्ति जल्द शुरू करने की अपील की है। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन को सर्दियों में ऊर्जा ठिकानों की सुरक्षा के लिए तुरंत इन मिसाइलों की जरूरत है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 500 पीएसी-3 इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार काफी बड़ा है। सर्दियों के दौरान यह यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत कर सकता है। हालांकि, उन्होंने चिंता जताई कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इन मिसाइलों की आपूर्ति कुछ वर्षों बाद ही शुरू हो सकती है।

रूस के हमलों पर क्या बोले जेलेंस्की : उन्होंने कहा, 'हम अपने अमेरिकी साझेदारों से ऐसा समाधान तलाशने की अपील कर रहे हैं, जिससे पीएसी-3 इंटरसेप्टर की आपूर्ति उस समय हो सके, जब वास्तविक खतरा हो और उनकी जरूरत हो।' उन्होंने बताया कि रूसी सेना रोजाना यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रही है। जेलेंस्की के मुताबिक, अक्तूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड के महत्वपूर्ण हिस्सों पर 30 से ज्यादा हमले किए। उन्होंने चेतावनी दी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने सर्दियों से पहले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी



व्यवस्थाओं को ठप करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इन हमलों का निशाना बिजली, हीटिंग, पानी की आपूर्ति और पुल हैं।

हर महीने मिलें 100 पैट्रियट मिसाइलें : यूक्रेनी राष्ट्रपति : यूक्रेन ने सर्दियों के लिए हर महीने औसतन 100 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की मांग की है। जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें आने वाले महीनों में हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अहम होंगी। इस दौरान यूक्रेन के लिए बातचीत में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखना भी जरूरी है। तत्काल जरूरत पूरी करने के लिए जेलेंस्की ने अमेरिका, यूरोपीय साझेदारों और अन्य सहयोगी देशों से अपने मौजूदा भंडार से मिसाइलें देने का प्रस्ताव रखा है। उनका सुझाव है कि 2026-27 की सर्दियों में यूक्रेन को इन भंडारों से मिसाइलें दी जाएं और बाद में नए उत्पादन के जरिए सहयोगी देशों के हथियार भंडार की भरपाई की जाए। उन्होंने कहा, 'हम इस मंजूरी के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और पूरे अमेरिकी प्रशासन के आभारी हैं। लेकिन हम ऐसे फैसले चाहते हैं, जो लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

कनाडा बनेगा यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य'

मॉन्ट्रियल/वाशिंगटन, एजेंसी। कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने संबंधों को नया आयाम देते हुए नई दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों पक्ष कनाडा को यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य' बनाने की दिशा में काम करेंगे। यह व्यवस्था पूर्ण सदस्यता से एक कदम पीछे होगी, लेकिन इसके तहत कनाडा को यूरोपीय संघ के साथ व्यापक आर्थिक, व्यापारिक, तकनीकी और रक्षा सहयोग का अवसर मिलेगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका ऐलान करते हुए कहा कि कनाडा और यूरोपीय संघ पूर्ण सदस्यता से इतर सबसे गहरी साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके तहत कनाडा यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बन सकता है।

कार्नी ने कहा, 'मॉन्ट्रियल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने 20 से अधिक नए उपायों पर सहमति बनाई है। इनका उद्देश्य अटलांटिक के दोनों ओर आर्थिक अवसरों को बढ़ाना, लोगों के लिए चीजों को अधिक किफायती बनाना और अपनी संप्रभुता को मजबूत करना है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने भी इस समझौते को ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'यूरोपीय संघ-कनाडा शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने पूर्ण सदस्यता के अलावा हर



संभव क्षेत्र में नजदीकी सहयोग के लिए सहमति बनाई है।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आने वाले महीनों में दोनों पक्ष इस नई सदस्यता व्यवस्था के स्वरूप, दायरे और विषयों को अंतिम रूप देंगे। 21वां कनाडा-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 29 और 30 अक्टूबर को मॉन्ट्रियल में आयोजित हुआ। इसमें प्रधानमंत्री कार्नी के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। सम्मेलन के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान भी जारी किया। इस दौरान व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में कई अहम समझौते हुए। कनाडा और यूरोपीय संघ ने डिजिटल व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया और प्रतिस्पर्धा से जुड़े समझौते पर बातचीत पूरी की। इसके अलावा कनाडा यूरोपीय हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग ज्वाइंट अंडरटेकिंग में शामिल हुआ है। इससे कनाडा के शोधकर्ताओं को यूरोप के अत्याधुनिक जुपिटर सुपरकंप्यूटर तक पहुंच मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। कनाडा ने एक ऐसी संधि रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत यूरोपीय निवेश बैंक कनाडा की महत्वपूर्ण खनिज परियोजनाओं में निवेश कर सकेगा। दोनों पक्ष यूरोप को कनाडा से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही एक नई ट्रांसअटलांटिक डेटा केबल बिछाने पर भी विचार किया जाएगा। शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कनाडा की भागीदारी बढ़ाने की योजना है। कनाडा यूरोपीय संघ के इरास्मस प्लस कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी और अगले होराइजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बातचीत करेगा। रक्षा सहयोग के मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण घोषणा की गई। कनाडा ने यूरोपीय संघ की 'सिक्योरिटी एक्शन फॉर यूरोप' (सेफ) पहल के तहत अपना दूसरा अनुबंध हासिल किया है।

ऑफिस में इन 5 आसान तरीकों से कर सकते हैं वर्कआउट

वजन होगा कम और फिटनेस रहेगी बरकरार



आमतौर पर ज्यादातर वर्किंग लोग समय की कमी के कारण वर्कआउट नहीं कर पाते। ऐसे में डेस्क जॉब होने की वजह से उनका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। लेकिन फिट रहने के ऐसे कई उपाय हैं, जिन्हें ऑफिस में भी फॉलो किया जा सकता है। आइए, जानते हैं आप ऑफिस में हल्का-फुल्का वर्कआउट कैसे कर सकते हैं-

हेल्दी ब्रेकफास्ट

आप सुबह ऑफिस जाने से पहले अपना हेल्दी ब्रेकफास्ट रात में ही डिसाइड कर लें कि आप कल क्या ले जाने वाले हैं। आप चीला, ऑमलेट, पोहा, उबले अंडे, वड़ा जैसी हेल्दी चीजें ट्राई कर सकते है। ऑफिस में चिप्स खाना, स्नैक्स खाते रहने से परहेज करना चाहिए।

ड्रिंक का रखें खास ख्याल

लगातार पानी पीते रहना हमारे वजन को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसका मतलब ओवर ड्रिंकिंग से बिल्कुल नहीं है, लेकिन आपको जरूर इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपने दिनभर में कितना पानी पिया। ज्यादा नहीं तो कम से कम हर डेढ़ घंटे में एक ग्लास पानी जरूर पिएं।

फिटनेस फ्रीक सर्कल

आपकी ऑफिस टीम में सभी न सही लेकिन कुछ लोग तो ऐसे होंगे, जो अपनी फिटनेस को लेकर सजग होंगे। उन लोगों को खोजें और उनके साथ अपने ऑफिस जिम या ऑफिस के आस-पास किसी जिम को जॉइन करें।

बैठने के तरीके पर ध्यान दें

आपकी सेहत में आपके बैठने का तरीका बहुत बड़ा रोल अदा करता है। कई घंटे गलत तरीके से बैठने से वेट भी बढ़ता है और शरीर में दर्द संबंधी बीमारियां भी। बीच-बीच में कुर्सी से उठते रहें और कुछ कदम चलते-फिरते रहें।

खाने के बाद 5 मिनट जरूर टहलें



आप खाने के बाद वॉक पर नहीं जाते, जिसका सबसे ज्यादा असर आपकी फिटनेस पर पड़ता है। खाना खाते ही डेस्क पर बैठकर काम करने से आपके पेट की चर्बी बढ़ती है।

लिपस्टिक लगाते वक्त कहीं आप तो नहीं करतीं ये गलतियां

महिलाओं के बैग में मेकअप किट हो या न हो, लेकिन एक लिपस्टिक तो जरूर रहती है। एक लिपस्टिक महिलाओं की खूबसूरती पर चार चांद लगाने का काम करती है. यदि इसे ठीक तरह से होठों पर न लगाया जाए तो यह आपकी खूबसूरती पर ग्रहण भी लगा सकती है। आइए जानते हैं कि लिपस्टिक लगाने का सही तरीका क्या है।

- लिपस्टिक लगाने से पहले ये जांच लें कि आपके होंठ रूखे या फटे न हों वरना दरारों के बीच स्किन कलर आपकी खूबसूरती बिगाड़ देगा। ऐसे में रूखे होंठों पर पहले लिप बाम या ग्लसरीन जरूर लगाएं, उसके बाद ही लिपस्टिक इस्तेमाल करें।
- लिपसटिक लगाने से पहले लिप पेंसिल से गहरे रंग का आउटलाइन या शेड बना लें. इससे होंठों का आकार उभरकर आएगा और फिर आपकी लिपस्टिक ज्यादा आकर्षक दिखेगी।
- लिपस्टिक का केवल एक ही कोट लगाएंगे तो वह जल्दी हल्की पड़ जाएगी। लिपस्टिक के कम से कम दो-तीन कोट तो जरूर लगाएं। दूसरा, लिपस्टिक का इस्तेमाल अपनी स्किल के कलर को ध्यान में रखकर करना भी जरूरी है.
- लिपस्टिक का एक कोट लगाने के बाद होंठों पर उंगलियों से हल्का सा पाउडर लगाएं, ऐसा करने से लिपस्टिक पूरी तरह सेट हो जाएगी. इसके बाद अगर आपको लग रहा हो कि लिपस्टिक हल्की लग गई है, तो एक कोट और लगा सकती हैं।



रेसिपी



रोटी रोल

सामग्री

- बची हुई रोटियां
- उबला आलू
- उबली मटर
- कसा हुआ पनीर
- बारीक कटी हुई शिमला मिर्च
- बारीक कटा एक प्याज और टमाटर
- हरे धनिया की चटनी
- टमैटो सॉस
- जीरा ■ चाट मसाला, मक्खन

विधि

पैन में बटर डालकर जीरे को सुनहरा होने तक भूनें। जीरा भुन जाने के बाद उसी पैन में प्याज भून लें। उसके बाद टमाटर, मटर और शिमला मिर्च भी भून लें। सब्जियों के भुन जाने के बाद उसमें पनीर, स्वादानुसार नमक और चाट मसाला डालें। अब रोटी रोल की फिलिंग तैयार है। अब दूसरे पैन को गर्म करने के बाद उसमें 1 टीस्पून बटर डालें। रोटी पर धनिया की चटनी और टमैटो सॉस फैला लें। उस पर तैयार किया हुआ भरावन रखने के बाद रोटी को धीरे-धीरे रोल कर लें। उसके बाद उस पर धागा या कोई और चीज बांध दें। पैन में रोटी को शैलो फ्राई कर लें। रोटी रोल के हलका गुलाबी होने के बाद उसे प्लेट में निकाल लें। और मजे से स्वाद लेते हुए खाएं।



ऑरेंज रसमलाई

- फुल क्रीम दूध- 3 लीटर ■ विनिगर- 2 चम्मच ■ फ्रेश ऑरेंज जूस- 1 कप ■ संतरे का कद्दूकस किया छिलका- 1 चम्मच ■ ऑरेंज पल्प- 3 चम्मच ■ अरारोट- 2 चम्मच ■ बेकिंग सोडा- चुटकी भर ■ चीनी- 1-1/2 + 1/2 कप ■ पानी- 5 कप ■ ऑरेंज एसेंस- 4 बूंद ■ ऑरेंज फूड कलर- 1/4 चम्मच
- बारीक कटे मेवे- गार्निशिंग के लिए

विधि

ऑरेंज रसमलाई बनाने के लिए सबसे पहले पनीर बनाएं। पनीर बनाने के लिए पैन में दो लीटर दूध उबाल लें। जब दूध उबलने लगे तो उसमें ऑरेंज जूस, संतरे का कद्दूकस किया छिलका और विनिगर डालकर मिलाएं। दूध तुरंत फट जाएगा। गैस तुरंत बंद कर दें। तीन से चार मिनट के बाद दूध को सूती कपड़े की मदद से छान लें। कपड़े में पनीर को बांधकर लटका दें ताकि पनीर से सारा पानी निकल जाए। जब पनीर तैयार हो जाए तो एक दूसरे पैन में बचे हुए एक लीटर दूध को मध्यम आंच पर आधा हो जाने तक पकाएं। जब दूध की मात्रा आधी हो जाए तो उसमें आधा कप चीनी, चुटकी भर ऑरेंज कलर और ऑरेंज एसेंस मिलाएं। उसमें अरारोट पाउडर व चुटकी भर ऑरेंज कलर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर को पंद्रह से बीस मिनट तक अच्छी तरह से गूंद लें। जब पनीर बहुत मुलायम हो जाए तो उससे छोटी-छोटी लोई काट लें और उसे गोल आकार दे दें। प्रेशर कुकर में पानी और डेढ़ कप चीनी डालकर उबालें। जब चीनी घुल जाए तो कुकर में पनीर के तैयार बॉल्स की आधी मात्रा डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। पनीर के बॉल्स को अब कुकर से निकालकर तैयार दूध में डाल दें। अब उसी चाशनी में पनीर के बचे हुए बॉल्स डालें और अब रसमलाई तैयार है। अब इसे फ्रिज में कम-से-कम पांच से छह घंटे तक रखें। बारीक कटे मेवे से सजा कर पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

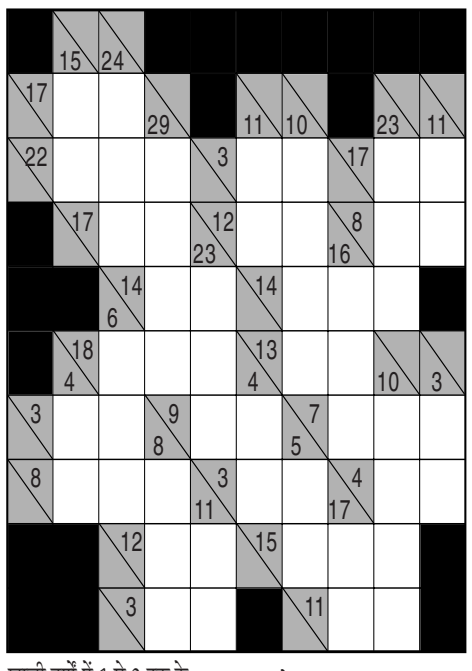
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2624

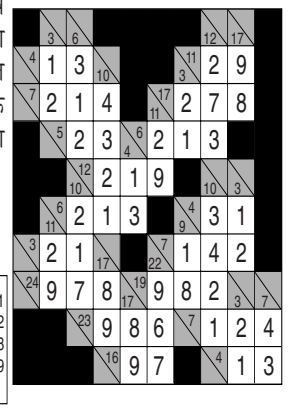


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11/7	1	2	3	5
1	1+2+3+4+5+6=21			
2	1+2+3+4+5+7=22			
4	3+5+6+7+8+9=38			
	4+5+6+7+8+9=39			

काकुरो - 2623 का हल



लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

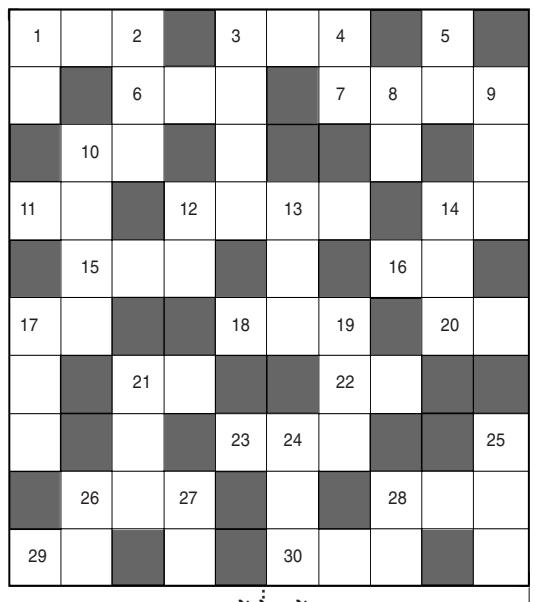
□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2624



बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2623

सं	गी	त		भा	भी		दी	दा	र
ग्रा		ह	स्ती		गी	ता		स्ता	
म	ह	ल		ही	रा		जा	न	म
		का	श		त	मि	ल		न
शो	ले		गु	ड्डू		थु			मी
र		शा	न		जा	न	की	बा	जी
	डॉ	न		स	नी			द	
क		दा	सी		दु		स	ल	मा
सौ		र		दु	श्म	न			चि
टी	ना		माँ		न		पा	र	स

सूडोकु -2624

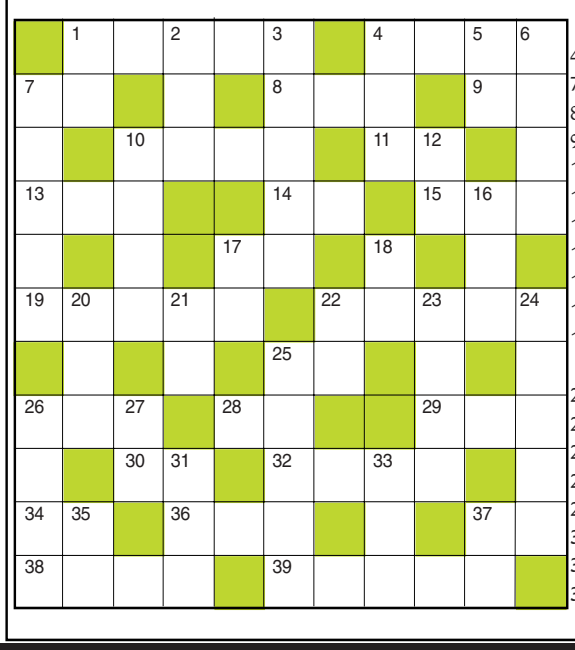
5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2623 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2624



बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -2623 का हल

आ	ला	क	मा	न			क	मी	ज	
रा	ल		न		श	प	थ		मा	मा
म			ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा	न			अ		ल	ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र		ह	
	सा	ल		ल		न		सु	र	
	हि		ब	गा	व	त		र		हा
ज	ल	न		म			अ	भि	मा	नि
ग			चु		रा	ज	न			का
न	र		ना	ह	क		ब		चा	र
	ब	हा	व			म	न	मो	ह	क

नोएडा एनकाउंटर में मारा गया 50 हजार का इनामी अमन त्यागी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-126 में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश अमन त्यागी मारा गया। पुलिस ने बताया कि त्यागी रणदीप भाटी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी तथा गैंगस्टर एक्ट सहित 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सेक्टर-126 थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी कि तभी बाइक सवार एक व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने रुकने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर भागने लगा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश को गोली लगी, जिसके बाद नोएडा के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर जिले के छपार गांव निवासी अमन त्यागी के रूप में हुई है।

पंजाब में आप को दोहरा झटका : दो विधायकों ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो विधायकों, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा, ने अपनी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इस घटनाक्रम ने आप के चुनावी समीकरणों पर सवाल खड़े किए हैं। हरमीत सनौर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते थे, जबकि चेतन सिंह जौरामाजरा समाना सीट से विधायक थे। दोनों विधायकों ने अलग-अलग तरीकों से पार्टी छोड़ने की घोषणा की। हरमीत सिंह ने अपना इस्तीफा सीधे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भेजा और तत्काल प्रभाव से पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। वहीं, पंजाब सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रह चुके चेतन सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी सदस्यता त्यागने की जानकारी दी। उन्होंने पंजाब में आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा को संबोधित कर अपना इस्तीफा भेजा। यह इस्तीफा तब आया है जब आप ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। हालांकि, इस सूची में सनौर और समाना सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए गए थे, जिन पर अब ये दोनों विधायक काबिज नहीं रहे। इस घटनाक्रम से पंजाब में आप की चुनौतियां बढ़ने की संभावना है।

आजम खान 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, ईडी रिमांड की तैयारी में

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें गाजियाबाद की डासना जेल ले जाया जाएगा। यह फैसला जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई सुनवाई के बाद आया है। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आजम की रिमांड लेने की तैयारी में जुटा है। ईडी सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी अगले एक-दो दिनों में पीएमएलए कोर्ट में उनकी पुलिस कस्टडी (पीसी) रिमांड के लिए आवेदन कर सकती है। यदि अदालत रिमांड देती है, तब ईडी उन्हें लखनऊ ले जाकर जौहर यूनिवर्सिटी की फंडिंग और कथित मनी ट्रेल के संबंध में गहन पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि रविवार को हुई सुनवाई के दौरान, ईडी ने अदालत से आजम की 14 दिन की कस्टडी की मांग की थी। जांच एजेंसी ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े फंड में कथित वित्तीय अनियमितताओं और पैसों के लेन-देन (मनी ट्रेल) को लेकर अपनी दलीलें पेश कीं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि यूनिवर्सिटी की फंडिंग में किस तरह की कथित अनियमितताएं हुई हैं, जिसके आधार पर उन्होंने हिरासत की मांग की थी।

अखिलेश का शाह पर पलटवार: जमीन ही नहीं... पैर कहां रखोगे?

राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए

नई दिल्ली , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित वोट चोरी के खिलाफ रैली को संबोधित कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान पर तीखा पलटवार किया। अखिलेश ने कहा, जो लोग अंगद का पैर कहने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि जब जमीन ही नहीं बची है तब पैर कहां रखेंगे?

अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि देश में एक करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश का जिक्र कर दावा किया कि राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए गए, जिससे हर विधानसभा में करीब 31 हजार वोटों की कमी हुई। सपा मुखिया ने कहा कि हार का ठीकरा किसी और पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यूपी वाले उन्हें करारा जवाब देकर सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।



सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया, जहां उन्होंने वोट लूटे जाने और चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार न बनने का कारण भी वोट चोरी थी। अखिलेश ने भाजपा पर कटाक्ष कर कहा कि जो लोग विश्वगुरु बनने की बात करते थे, वे मतदाता सूची में चोरी करते हैं।

सपा नेता यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन रुकने वाला नहीं है और लोकतंत्र को बचाने का अभियान उत्तर प्रदेश से शुरू होगा। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी करार देकर कहा कि यहां से एक नया इतिहास लिखा जा रहा है और परिवर्तन कभी भी आ सकता है। अखिलेश ने चेतावनी दी कि अगली पीढ़ी भाजपा द्वारा लगाए गए हर लाठी और दिए गए हर जख्म का बदला लेगी, जिससे भाजपा खुद को बचा नहीं पाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डबल इंजन सरकार के दावे पर परोक्ष रूप से कटाक्ष कर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी की जनता ने एमएलसी चुनाव में भाजपा को डबल जीरो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चंडीगढ़ जैसी चाल चलने की कोशिश की लेकिन असफल रही। अखिलेश ने भाजपा पर लगातार साजिशें और षड़यंत्र करने का आरोप लगाकर कहा कि वे जनता के बीच में नहीं जीत सकते, इसलिए चुनाव के माध्यम से हेरफेर का रास्ता अपनाते हैं।

एसआईआर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस राज्यों में अलग-अलग रुख अपना रही

- दिल्ली में रैली से पहले ओवैसी ने नीतियों और नीयत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित विशाल रैली से ठीक पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर हमला बोला। ओवैसी ने मतदाता सूची एसआईआर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस की नीतियों और नीयत पर सवाल उठाते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है। कर्नाटक में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर के मुद्दे पर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रुख अपना रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार के एक मंत्री सतीश जारकीहोली एसआईआर की तारीफ कर रहे हैं और इसे बेहतर बता रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ पार्टी के अन्य नेता इसका विरोध कर रहे हैं। ओवैसी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर कोई एक स्पष्ट नीति नहीं है और देश के अलग-अलग हिस्सों में उसके नेता अलग-अलग धुन बजा रहे हैं। ओवैसी ने आगे कहा कि दिल्ली में कांग्रेस एसआईआर का विरोध कर रही है, लेकिन हैदराबाद में उसके स्थानीय नेता खुद चुनाव आयोग के पास जाकर मतदाताओं के नाम हटाने की मांग करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पार्टी का अपना रुख स्पष्ट नहीं है, तो वह जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ रैली कर रही है। उधर, दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी रैली को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्र में 4,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 270 कंपनियों को तैनात किया गया है। पूरे रूट पर नजर रखने के लिए 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सुरक्षाबलों ने मिंटो रोड से लेकर रामलीला मैदान तक कड़ा पहरा लगा रखा है ताकि रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर गुवाहाटी तक विस्तारित, मिली केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सरकार ने प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को गुवाहाटी तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को हरी झंडी मिलने की जानकारी दी। सीएम सरमा ने निर्णय का जश्न मनाकर लिखा, इसीलिए, मोदी कहीं नहीं जाएंगे! यह टिप्पणी हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर हुई बहस का तीखा जवाब थी, जिसमें एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द पद न छोड़ने की बात कही थी। मुख्यमंत्री सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताकर कहा कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच यात्रा आठ घंटे से भी कम समय में पूरी होगी। उन्होंने इस मंजूरी को पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। सीएम सरमा ने बताया कि यह कॉरिडोर शुरू में सिलीगुड़ी में समाप्त होना था, लेकिन उनके अनुरोध और जुलाई में केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव से मुलाकात के बाद, केंद्र ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर पूर्वोत्तर तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, जो सरकार सुनती है और काम करती है, वह ऐसी ही दिखती है। इस परियोजना से असम को नई हाई-टेक इंडस्ट्रीज के विकास और दिल्ली व अन्य राज्यों की राजधानियों से तेज व सस्ती कनेक्टिविटी के माध्यम से व्यापार तथा रोजगार के मौकों में वृद्धि होने की उम्मीद है। सीएम सरमा ने कहा कि बुलेट ट्रेन जो कभी असम के लिए दूर का सपना थी, अब हकीकत बन रही है। उन्होंने 7 जून को रेल मंत्री वैष्णव को लिखे पत्र में गुवाहाटी को नॉर्थईस्ट का गेटवे और इलाके का सबसे बड़ा आर्थिक व परिवहन हब बताकर कॉरिडोर के विस्तार की अपील की थी। इसके पहले, केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुलेट ट्रेन नेटवर्क के उत्तरी गलियारे को मंजूरी दे दी है। यह दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा, और फिर वाराणसी व पटना से होकर गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

मुरासु का खौफ: आंध्र तट पर भारी तबाही की आशंका

अमरावती, एजेंसी । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 नवंबर 2026 को दोपहर 11:30 बजे पुष्टि की कि दक्षिण-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में स्थित गहरा डिप्रेशन अब चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में बदल गया है, मुरासु ने आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में खौफ पैदा कर दिया है। यह तूफान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसके 2 नवंबर की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान बनने की प्रबल संभावना है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 'मुरासु' 2 नवंबर की मध्य रात्रि से 3 नवंबर की सुबह के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट को पार करेगा। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जबकि झोंके 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक भी जा सकते हैं।



1 नवंबर दोपहर को यह तूफान चेन्नई से करीब 560 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था और लगातार मजबूत हो रहा है। यह उन इलाकों के लिए दूसरा बड़ा झटका होगा जो हाल ही में चक्रवात अर्नब के असर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

चक्रवात के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों और रायलसीमा में 2 और 3 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, कुछ स्थानों पर बेहद भारी बारिश भी हो सकती है। उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी मध्यम बारिश का अनुमान है। तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने, बिजली के तारों को नुकसान पहुंचने और निचले इलाकों में व्यापक बाढ़ का खतरा है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है, और स्थानीय प्रशासन ने संभावित आपदा से निपटने के लिए बचाव एवं राहत कार्य की तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस चक्रवाती तूफान का नाम 'मुरासु' भारत द्वारा सुझाया गया है। तमिल भाषा में 'मुरासु' का अर्थ है प्राचीन ढोल, जिसका उपयोग पुराने समय में गांवों में महत्वपूर्ण जानकारी फैलाने और प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी देने के लिए किया जाता था। आईएमडी द्वारा यह नाम तब दिया जाता है जब सिस्टम चक्रवाती तूफान की श्रेणी में पहुंच जाता है, जो वर्तमान खतरे की गंभीरता को दर्शाता है।

सीजेपी की दिवाली पार्टी में पहुंचे कई विपक्षी नेता, बढ़ रही विपक्ष से नजदीकियां

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष के कुछ नेताओं के बीच नजदीकी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। शनिवार को सीजेपी नेता सौरव दास की ओर से आयोजित दीपावली पार्टी में टीएमसी, माकपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। इस मुलाकात के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने एक्स पर पोस्ट कर अभिजीत दीपके, सौरव दास और उनकी टीम का आभार जताया। उन्होंने लिखा- शानदार दिवाली शाम के लिए अभिजीत दीपके, सौरव दास और पूरी टीम का धन्यवाद। इस आयोजन को सीजेपी नेताओं और विपक्ष के एक वर्ग के बीच बढ़ते संपर्क के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और सह-संयोजक आशुतोष रांका भी दिवाली पार्टी में मौजूद रहे। सीजेपी और विपक्षी नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकी का यह अकेला उदाहरण नहीं है। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सीजेपी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के समर्थन में कई बार बयान दिए हैं। सीजेपी ने भी सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी। दोनों पक्षों के बीच संपर्क बढ़ने की शुरुआत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को लेकर हुई सार्वजनिक बयानबाजी से मानी जा रही है। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ समानांतर प्रदर्शन नहीं हो रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की थी। वहीं सीजेपी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की एक नवंबर को होने वाली रैली को समर्थन दिया, हालांकि इसमें सीजेपी कार्यकर्ता शामिल नहीं होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश के बाद सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल में डालना कायरता है। राहुल गांधी ने अपने एक अन्य संदेश में छात्रों, युवाओं, पत्रकारों और इंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा था कि अलग-अलग बैनर के बावजूद सभी का मकसद एक ही है, उनके मुताबिक, ये प्रदर्शन नागरिकों के अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का है और वे इसे वापस हासिल करेंगे।

नड्डा का इंडिया गठबंधन पर हमला: कांग्रेस के पाप में सहभागिता पर उठाए सवाल

इंडिया गठबंधन की रैली कांग्रेस पार्टी के पतन के ताबूत में आखिरी कील

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन की हालिया मेगा रैली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से सीधे सवाल किया है कि क्या वे भी कांग्रेस पार्टी के उस पाप में शामिल हैं, जिसमें हमारे सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया था? केंद्रीय मंत्री नड्डा ने स्पष्ट रूप से कहा कि दिल्ली के व्यापारियों को बर्बाद करने के पाप में भी कांग्रेस भागीदार है, और अब इंडिया गठबंधन के सदस्य इस देश के लोगों से नफरत करने लगे हैं, सिर्फ भाजपा के प्रति अपनी गहरी नफरत के चलते है।

बीजेपी नेता नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाकर कहा कि वे विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं और देश में आकर भारत के लोकतंत्र तथा अर्थव्यवस्था पर हमला करते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस और राहुल गांधी का एकमात्र मकसद देश का विकास नहीं, बल्कि अराजकता और तबाही फैलाना है। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी देकर कहा कि भारत की जनता अब उनके धोखे में नहीं आने वाली, क्योंकि अराजकता फैलाने के लिए उनकी टूलकिट पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने राहुल गांधी को 1 नवंबर के काले इतिहास और दिल्ली के व्यापारियों के आंसूओं के लिए अपनी जवाबदेही से न बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत लोकतंत्र है, जहां संविधान और जनता का जनादेश चलेगा, न कि दंगा-भड़काने वाली राजनीति कामयाब होगी। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने भविष्यवाणी की कि इंडिया गठबंधन की यह रैली कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक पतन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। इससे पहले भी, जेपी नड्डा राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं, जैसे चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट, को कमजोर करने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और राहुल गांधी चुनाव जीतने पर अपनी काबिलियत का बखान करते हैं, लेकिन हारने पर चुनाव आयोग को दोष देते हैं, जो



उनकी राजनीति की एक चिर-परिचित शैली बन गई है।

सीएम फडणवीस का कांग्रेस पर करारा हमला: आपातकाल में हुई थी संविधान चोरी

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार कर सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान संविधान चोरी करने और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। ठाणे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ मार्च को संबोधित कर उन्होंने दावा किया कि जो लोग वोट चोरी का शोर मचाते हैं, असल में वे ही संविधान चोर हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र ने वर्ष 1975 के आपातकाल का जिक्र कर कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद्द करने संबंधी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद, कांग्रेस सरकार ने न्यायपालिका को उनके चुनाव की जांच करने से रोकने के लिए पूर्वव्यापी संवैधानिक संशोधन लाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ही वह पहली पार्टी थी जो कि संविधान, न्यायपालिका और देश के लोकतंत्र को कमजोर किया। फडणवीस ने 42वें संविधान संशोधन का हवाला देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने सुनियोजित तरीके से मौलिक अधिकारों की



सुरक्षा करने वाले प्रावधानों को कमजोर कर दिया था, जिन्हें 1977 में जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद बहाल किया गया।

सीएम फडणवीस ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय ताकतें और सोशल मीडिया एल्गोरिदम देश में अराजकता फैलाने के लिए गलत सूचनाएं फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूचियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम हटाए जाने को लेकर विपक्ष की चिंता पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा अंतिम घुसपैठिए का नाम हटाए जाने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का उल्लेख कर कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय आदर्शों के लिए बलिदान की समृद्ध परंपरा रही है। सीएम फडणवीस ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र बचाओ मार्च एक बड़े संघर्ष की शुरुआत है और पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण तक नहीं रुकेगी।

हिंसा के खिलाफ इंफाल में उमड़ा जनसैलाब, दी फाइनल वॉर्निंग

इंफाल, एजेंसी । मणिपुर के नोने जिले में हाल ही में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत और जारी हिंसा के विरोध में राजधानी इंफाल की सड़कों पर शनिवार को हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (कोकोमी) और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों के आह्वान पर निकाली गई इस विशाल महारैली में राज्य के घाटी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शनकारियों ने मौजूदा सरकार को फाइनल वॉर्निंग देते हुए मांग की है कि यदि सरकार राज्य में पूरी तरह शांति बहाल करने में असमर्थ है, तो उसे तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। क्राकीथेल स्थित टिडिम ग्राउंड से शुरू हुई इस रैली का उद्देश्य लंबे समय से जारी संघर्ष को समाप्त करना और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना था।

राहुल गांधी के बुलावे पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज: मोदी जी ने बुलाया, तब मैं क्या करूं?

मुंबई, एजेंसी । शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी राजनीतिक यात्रा, कांग्रेस में वापसी की संभावना और महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीति पर खुलकर बात की। जब प्रियंका से पूछा गया कि अगर राहुल गांधी उन्हें फोन करके कांग्रेस में वापस आने को कहें, तब उनका जवाब क्या होगा, तब प्रियंका ने एक दिलचस्प और तंज भरा उत्तर दिया। उन्होंने कहा, मैं पूछूंगी कि मोदी जी ने बुलाया तब मैं क्या करूं? यह बयान राजनीतिक गलियारों में खासा चर्चा का विषय बन गया है।

कांग्रेस छोड़ने के अपने पुराने फैसले पर उन्होंने कहा कि एक समय था जब उनके लिए पार्टी में स्थितियां काफी नकारात्मक हो गई थीं और उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी निराशा महसूस होने लगी थी। उन्होंने जोड़ा कि कुछ लोगों का उनसे जुड़ा जुनून अभी भी खत्म नहीं हुआ है। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर देकर कहा कि वह हमेशा काम करते रहने और खुद को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में विश्वास रखती हैं। युवाओं से जुड़ने की भाषा के सवाल पर उन्होंने टिप्पणी की कि कई बार नेता जेन-जी की भाषा का इस्तेमाल कर कूल दिखने की



कोशिश करते हैं जो अजीब और क्रिंज लग सकता है। उनका मानना है कि युवाओं से जुड़ने के लिए जबरदस्ती उनकी भाषा बोलना जरूरी नहीं है।

महाराष्ट्र में हुए सत्ता परिवर्तन और पार्टी के विभाजन पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी को कोई ऑफर मिलता है और वह उस स्वीकार कर लेता है, तब यह दर्शाता है कि पूरा घटनाक्रम पहले से ही सुनियोजित था। उन्होंने अपनी पार्टी के संवैधानिक प्रक्रियाओं में विश्वास पर जोर दिया और सुप्रीम कोर्ट को जलाने जैसी हिंसात्मक बयानबाजी का विरोध किया। इंटरव्यू के दौरान, हल्के-फुल्के अंदाज में उन्होंने खुद को रील बनाने में नंबर वन बताया और अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने पर मैं अपनी फेवरेट हूं शीर्षक चुना।

भारत vs न्यूजीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में चेज किए 326 रन



लाहौर। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान ने 326 रन के मुश्किल लक्ष्य को 48.3 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल किया। इसके साथ ही टीम ने वनडे फाइनल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले भारत ने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में 326 रन का लक्ष्य हासिल किया था। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट पर 325 रन बनाए। उसके लिए कामिंदु मेंडिस ने शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 128 गेंदों में 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल... बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था।

हायलो ओपन

सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे



लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली और बाद में इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। अंत में शानदार स्मैश के साथ उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लड़ने का जज्बा नहीं दिखा... हार बर्दाश्त नहीं कर पाए वॉर्नर

केपटाउन / नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाराज पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खिलाड़ियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केपटाउन टेस्ट में मिली हार को शर्मनाक बताते हुए कहा कि टीम में संघर्ष करने का जज्बा नजर नहीं आया। वॉर्नर ने इस प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मूल्यों के भी खिलाफ बताया।

केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 288 रनों का लक्ष्य मिला था। हालांकि, पांचवें दिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव से उबर नहीं सकी। महज 18 ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 42 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद पूरी टीम 111 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।वॉर्नर ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से बातचीत में टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। यह बहुत बुरा है। यह ऑस्ट्रेलियाई मूल्यों के खिलाफ है। टीम में लड़ने का कोई जज्बा ही नहीं दिखा। यह शर्मनाक है। 288 रन का लक्ष्य था। आप टेस्ट मैच जीत सकते थे और सीरीज भी अपने नाम कर सकते थे। सब कुछ दांव पर लगा था। क्या वह इसी तरह खेलते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। पहले टेस्ट में मैट रेनशॉ को



छोड़कर बाकी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। वॉर्नर ने कहा कि बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज की चुनौती का अंदाजा होना चाहिए था, लेकिन वे उसका सामना करने में नाकाम रहे।

तीनों टेस्ट में देखने को मिली शानदार वापसी

इस टेस्ट सीरीज की खास बात यह रही कि तीनों मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों में पिछड़ने वाली टीम ने शानदार वापसी की। डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 124 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए पहली पारी में 390 रन बनाए। इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 214 रनों से जीत लिया।दूसरे टेस्ट में गेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 110 रन पर छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बावजूद मेजबान टीम ने 425 रन पर नौ विकेट के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से शिकस्त दी।

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती



हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी



पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।



बेमतलब की फिल्में नहीं करनी, तो ऐक्टिंग छोड़ दी

'फुकरे' फिल्म की एक्ट्रेस विशाखा सिंह ने हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, 'माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।'

पर्दे पर कश्मीर के अक्सर दो ही पहलू देखने को मिलते हैं। एक धरती के जन्नत की खूबसूरती तो दूसरा आतंकवाद, मगर वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' इससे इतर वादी के युवाओं की अपनी नई पहचान और सम्मान तलाशने की एक प्रेरक दास्तान है। यही वजह है कि कश्मीर के पहले प्रफेशनल 'फुटबॉल क्लब' बनने की असल कहानी पर आधारित इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स 2027 में बेस्ट ड्रामा कैटेगरी में नामित किया गया है। हालांकि, 'फुकरे' फेम चर्चित अदाकारा और इस शो की निर्माता विशाखा सिंह के लिए इसे बनाना आसान नहीं था। हर कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें कश्मीर का उम्मीद भरा नया चेहरा दिखाती यह कहानी हर हाल में दर्शकों तक पहुंचानी' थी। फिर, जब ठान लिया तो कारवां बनता गया।

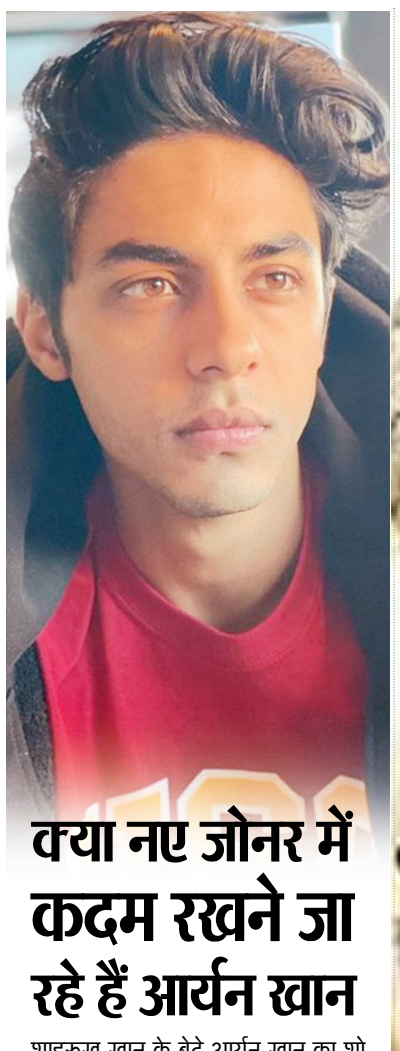
कश्मीर का ये चेहरा नया था

बकौल विशाखा, 'ये कहानी मेरे दोस्त और शो के राइटर उमंग व्यास और सिमाब हाशमी ने 2019 में सुनाई थी कि कश्मीर का सिर्फ 3 साल पहले बना ये फुटबॉल क्लब बड़े-बड़े क्लब को हरा रहा है। मुझे लगा कि ये कहानी तो सुनानी चाहिए। तब फरवरी के माइनस 6 डिग्री में ये लोग वहां रिसर्च के लिए गए। वहां से मैच का विडियो भेजा, जहां माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह माहौल मेरे लिए इतना नया था कि लोग पेड़ पर चढ़कर मैच देख रहे हैं, क्योंकि कश्मीर सुनकर हमारे दिमाग में वही तनाव, जंग आता है। मेरे मन में ये था कि इसके राइट्स तो चाहिए और हमने क्लब के फाउंडर, जिसमें पत्रकार शमीर मेराज और व्यवसायी स्वर्गीय संदीप चट्टू से राइट्स लिए। फिर, मेरे दोस्त किलियन केरविन, जिन्होंने देल्ही क्राइम बनाई है, वे जुड़े। डायरेक्टर महेश मथाई जुड़े तो मुझे लगा कि हम सही राह पर हैं।'

बॉलिवुड में आशुतोष गोवारिकर की खेले हम जी जान से और फरहान अख्तर की फुकरे समेत साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रहीं विशाखा सिंह इन दिनों पर्दे पर कम नजर आ रही हैं। इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैंने करीब दस साल पहले ऐक्टिंग करना बंद कर दिया। असल में, 2012 से 2014 के दौर में मैंने नॉर्थ और साउथ मिलाकर 13-14 फिल्में कीं। मुझे तब समझ आया कि हां, मैं ऐक्टिंग कर सकती हूं, लेकिन उसके बाद मुझे जो स्क्रिप्ट मिल रही थीं, उससे मैं खुश नहीं थी और मैं बुरी फिल्मों के लिए याद की जाना नहीं चाहूंगी। मैं बेमतलब की, बिना सिर पैर की फिल्में नहीं कर सकती तो 2015 में मैंने खुद ऐक्टिंग करना बंद कर दिया।'

क्यों की 'फुकरे 2'

'फुकरे 2 इसलिए की, क्योंकि उसमें ज्यादा वक्त नहीं देना पड़ा। वरना मैं भूल चुकी हूं कि मैं ऐक्टर भी थी। सच कहूं तो ऐक्टिंग छोड़ने के बाद मैंने बहुत कुछ एक्सप्लोर किया। फिल्म बना ली, सीरीज बना ली, स्टार्ट अप शुरू किया तो मेरे लिए और बड़ी दुनिया खुल गई मेरे लिए।' बतौर निर्माता, पेडलर्स, हरामखोर, अटकन चटकन और रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब जैसा मीनिंगफुल कॉन्टेंट ही बनाने वाली विशाखा का कहना है, 'हर कलाकार, हर इंसान का एक झुकाव होता है कि उसे कैसा काम करना है। मेरा बचपन से रुझान रहा है कि अच्छा करो। खासकर जब आपके पास वो अच्छा करने की पावर हो। मुझे नहीं लगता कि मैं बिना मीनिंग के कोई फिल्म बना सकती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं हमेशा सोशल मुद्दे वाली फिल्म ही बनाऊंगी, मगर वो ऐसी हो जो मैं, मेरा परिवार, मेरे माता-पिता सब देख सके, वो हमेशा रहेगा।'



क्या नए जोनर में कदम रखने जा रहे हैं आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

आर्यन ने बनाई लेखकों की टीम

वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें।

प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालांकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

आर्यन खान का सफर

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में 'द लायन किंग' के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी। 2024 में 'मुफासाः द लायन किंग' में आर्यन खान ने सिम्बा के रूप में वापसी की। शाहरुख खान ने एक बार फिर मुफासा को अपनी आवाज दी, जबकि अबराम खान भी हिंदी वॉयस कास्ट का हिस्सा बने। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा।



फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है। हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ 'चैप्टर 1' की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है। कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टालने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज हुई है।धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर भी रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डेट पर सूर्या की फिल्म पहले से अनाउंस हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और ममूटी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं।



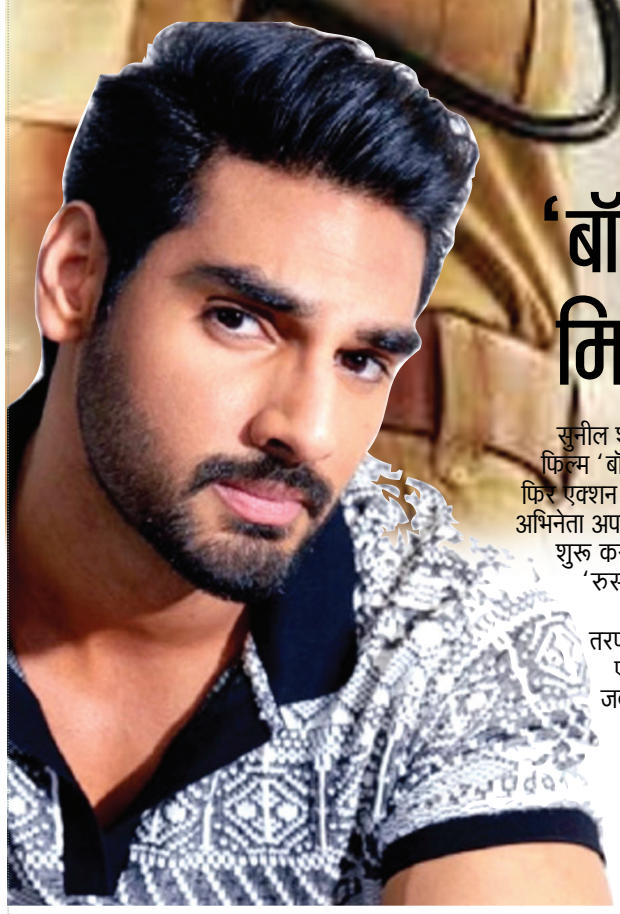


तीन हफ्ते बाद काम पर लौटेंगे टाइगर श्रॉफ

अगली फिल्म की शूटिंग अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जब से हमला हुआ है, तब से वह चर्चा में हैं। अब उनके काम से जुड़ी एक अपडेट आई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अभिनेता अगले महीने, दिवाली के बाद अपकमिंग फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट सकते हैं। मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, उनकी टीम ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है।

क्या हैं सुरक्षा के इंतजाम

टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा टीम और प्रोडक्शन टीम ने मिलकर एक योजना बनाई है, ताकि उनका शूटिंग शेड्यूल गुप्त रहे। उनके आने-जाने की जानकारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों के साथ ही साझा की जाएगी। इसके अलावा, सेट पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोडक्शन टीम ज्यादा सावधानी बरत रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 अक्टूबर की घटना के बाद से टाइगर ने शूटिंग शुरू नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वह करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट आए हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। फिलहाल, अभिनेता अपने परिवार के साथ घर पर हैं और उम्मीद है कि त्योहारों के बाद अगले महीने वह फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। उनके पास कुछ और काम भी हैं, जो अपनी तय समय सीमा के हिसाब से आगे बढ़ रहे हैं।



'बॉर्डर 2' के बाद अहान शेट्टी को मिली रोमांटिक-एक्शन फिल्म

सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्तूबर से भोपाल में शुरू होगी।

सोच समझकर चुनी फिल्म

'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी 2027 में शुरू होने वाली है। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी विशाल टीम के साथ पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। वह 30 अक्तूबर से शुरू होने वाली शूटिंग से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी और इसके विषय को गोपनीय रखा गया है।

आलिया-दीपिका को लेकर बोलीं राधिका





राधिका आप्टे इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों। राधिका किस आधार पर चुनती हैं फिल्में?

राधिका आप्टे की हालिया फिल्में 'लस्ट स्टोरीज 3', 'साली मोहब्बत', 'मिसेज अंडरकवर' और 'मोनिका-ओ माय डार्लिंग' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होंगी या ओटीटी पर। बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं इस आधार पर कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूं कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।'





कुछ ऐसी है जोकर की दुनिया

कुछ भी ऊटपटांग कर लो, आसान सा शब्द आ जाता है जुबां पर- `बिल्कुल जोकर की तरह लग रहे हो तुम।' इस नाम से जो चेहरा आंखों के सामने उभरता है, वो होता है सफेद रंग से पुता हुआ, नाक पर चिपकी लाल रंग की गेंद, कपड़े रंगीन पर अजीब से, पैरों में बड़े साइज के जूते और हमेशा खुद को मूर्ख साबित करता हुआ, पर हंसाता जोकर।

पूरा सप्ताह है जोकर के नाम

बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि न जाने कितने ही दिन हैं, जो किसी न किसी के नाम पर हैं। पर जोकर दिवस है क्या...नहीं, जोकर के लिए एक दिन नहीं पूरा सप्ताह समर्पित है दुनिया में। है ना मजेदार बात! हो भी क्यूं न, वह सबको अपने करतब व वेश-भूषा से हंसाता जो है। तो उसके लिए एक हफ्ते का सेलिब्रेशन तो बनता ही है। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक क्लाउन वीक मनाया जाता है। यहां तक कि इसके बारे में अमेरिकी कानून भी है, जो राष्ट्रपति निक्सन द्वारा 2 अगस्त, वर्ष 1971 में बनाया गया था।

कहां से आया 'क्लाउन' शब्द

अभी दुनिया में करीब 20,000 जोकर हैं। ऐसा माना जाता है कि जोकर, जिसे अंग्रेजी में हम 'क्लाउन' के नाम से जानते हैं, इस शब्द की उत्पत्ति 'क्लूनी' शब्द से हुई, जो आइसलैंड से आया। इसका अर्थ बेडौल या फूहड़ होता है।

मसखरी करना है काम

जोकर का काम है मसखरी करना और दूसरों को हंसाना। पर यह काम इतना भी आसान नहीं। यदि तुम्हें किसी रोते हुए इंसान को हंसाने को बोला जाए तो तुम क्या करोगे- एक मिनट के लिए सोचो। मसखरी करना एक आर्ट है, जिसमें नाटकीयता, कॉमिक सेंस व शारीरिक क्षमता के साथ-साथ ह्यूमन नेचर समझने की शक्ति भी होनी चाहिए, तभी इसमें माहिर हो सकते हो तुम। मतलब, रंगीले व आकर्षक मेकअप से जोकर नहीं, बल्कि हाव-भाव भी ऐसा ही करना होगा। जोकर पर कई फिल्में भी बनी हैं। राजकपूर ने 'मेरा नाम जोकर' में जोकर की भूमिका निभाई थी, जिसमें लोगों को हंसाया था। कभी मौका मिले तो जरूर देखना, तब समझोगे तुम।



प्रसिद्ध रहे ये जोकर

चार्ली चैपलिन भी कुछ ऐसे ही थे और हां, तुम्हारा मिस्टर बीन भी तो कुछ ऐसी ही हरकतें करता है। साल 1963 में रोनाल्ड मैकडोनाल्ड को पूरी दुनिया में पॉपुलर जोकर माना गया। वो इतने पसंद किए गए कि लाल घुंघराले बाल व लाल बड़े से जूतों के साथ तुम्हारे पसंदीदा मैकडोनाल्ड रेस्तरां के दरवाजे पर आकर खड़े हो गए। इन्हें आज भी तुम मैक डी के किसी दरवाजे पर पुतले के रूप में देख सकते हो।



कैसे बनोगे जोकर

सबसे पहले उन चीजों को जमा करो, जिस तरह के जोकर दिखना चाहते हो। कलाबाजी दिखाने को कुछ बॉल्स, गुब्बारे, कुछ मैजिक ट्रिक्स। और भी कई चीजें, जिनके आधार पर तुम अपने दर्शकों को हंसा सकते हो। इसके बाद बारी आती है तुम्हारे कपड़ों की। इनमें रंगीन पजामा या फनी सी दिखने वाली चीजें होंगी, जो तुम्हें पहननी हैं। इस कॉस्ट्यूम में बड़े और ढीले से जूते होंगे, जो महंगे होते हैं।

इन बड़े दिखने वाले जूतों को पहन करतब कैसे करोगे तुम...तो सुनो, इसके लिए इनमें कुछ रुई या फिर सॉफ्ट टॉवल डाल देना, जिससे तुम्हारे पांव में ये फिट बैठेंगे। अब आता है फेस मेकअप। आमतौर पर मेकअप खुद को आकर्षक व खूबसूरत बनाने के लिए किया जाता है, पर यहां तुम ऐसा नहीं करोगे। इस मेकअप का मतलब है तुम्हें फनी दिखाना। सफेद पेंट से पुता चेहरा काफी पारंपरिक है और जोकर के नाम से ऐसा ही कुछ उभर कर आता है दिमाग में। ये क्लाउन पेंटिंग भी कई तरह के होते हैं, जैसे अगर तुम पागल से साइंटिस्ट दिखना चाहते हो तो कुछ ऐसा मेकअप ही करोगे। खास बात यह कि जोकर कभी अपने चेहरे पर नीला रंग नहीं लगाते, क्योंकि उनका मानना है कि यह रंग अशुभ है। अपने शो को रोचक बनाने के लिए कुछ मैजिक ट्रिक्स भी सीखने होंगे तुम्हें, जो अकसर तुम सर्कस में देखते होगे। पर हां, कुछ हरकतें करने पर सावधानियां भी बरतनी होंगी तुम्हें, जैसे केले के छिलके पर फिसलना, खुद से गिर जाना, अपने साथी के पीछे भागना, पानी से भरी बाल्टी को अपने सिर पर डालना आदि, क्योंकि ऐसे करतब से दुर्घटनाओं की भी आशंका होती है। तुम्हें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि तुम किस तरह के जोकर बनना चाहते हो और किन लोगों के साथ काम करना चाहोगे, क्योंकि इन्हीं आधार पर तुम्हें अपने करतब दिखाने होंगे, जैसे चिल्ड्रंस पार्टी, एडल्ट पार्टी, चिल्ड्रंस हॉस्पिटल या फिर सर्कस। ऑनलाइन क्लाउन ट्रेनिंग ले सकते हो तुम। अगर तुम्हारे पास ये करने का समय नहीं है या फिर तुम्हारे एरिया में ऐसा कोई ट्रेनिंग स्कूल नहीं है तो ऐसी कई सभाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें तुम कुछ ट्रिक्स आसानी से सीख सकते हो। इसके अलावा कुछ पुराने जोकर से कॉन्टैक्ट कर कुछ गुर भी सीख सकते हो।



क्लाउन सोसाइटी

विश्व की सबसे पुरानी क्लाउन सोसाइटी है क्लाउन्स इंटरनेशनल। यह 1947 में स्थापित की गई। साल 2012 में अमेरिका के क्रिकी को अब तक का सबसे पुराना जोकर माना गया, जो 95 वर्ष की उम्र में भी काम कर रहे थे। उन्होंने कई इंटरनेशनल अवॉर्ड भी जीते। हंसी की इस दुनिया में कई प्रसिद्ध जोकर हुए तथा इन्होंने मेकअप व करतब आदि के मुताबिक रिकॉर्ड भी बनाए।

भारत में भी मना 'क्लाउन फेस्टिवल'

भारत में पहली बार क्लाउन फेस्टिवल वर्ष 2010 में मनाया गया और तब से यह हर साल मनाया जाने लगा। इस फेस्टिवल में स्टेज शो आयोजित किए गए, जिनमें जोकरों के कई करतब दिखाए गए।

घट रहे हैं जोकर

जोकरों की घटती संख्या अमेरिका में चिंता का विषय बन गई है। युवा पीढ़ियों में घटती लोकप्रियता भी इसका कारण है। वर्ल्ड क्लाउन एसोसिएशन के अनुसार, 'वर्ष 2004 से अब तक इसकी सदस्यता 3,500 से घटकर 2,500 पर आ गई है। वर्ल्डक्लाउन.कॉम एक ऐसी वेबसाइट है, जिस पर जोकर से संबंधित सभी तरह की खबरें अपडेट की जाती रहती हैं। तो तुम जब भी चाहो, इस वेबसाइट पर इस रंगीले कैरेक्टर के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हो।

बड़े होकर बनूंगा जोकर..

बड़े होकर क्या बनोगे- इस सवाल के जवाब में तुम सब कहोगे, डॉक्टर, इंजीनियर आदि। पर क्या कोई कह सकता है कि मैं बड़ा होकर जोकर बनूंगा, नहीं ना! सोच भी नहीं सकते तुम ऐसा। जोकर को बस हंसी का पात्र समझा जाता है। पर क्या तुम्हें पता है, जोकर बनना या कॅरियर की तरह जोकर को अपनाना बुरा नहीं। काफी मुश्किल काम है यह भी। ट्रेनिंग होती है इनकी भी कभी क्लाउन कॉलेज में एडमिशन की बात सोची है तुमने? रिंगलिंग ब्रदर्स, बार्नम एंड बेली सर्कस आदि ऐसी संस्थाएं हैं, जो क्लाउन का कोर्स कराती हैं। और यदि अपने काम से वक्त निकालना मुश्किल है तो अब इंटरनेट पर भी क्लाउन इंस्ट्रक्शन मौजूद हैं। औसतन एक जोकर अमेरिका में 38,000 डॉलर के करीब एक साल में कमा लेता है।



प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।

शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं।

वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है।

एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

ऐसा पक्षी जो उड़ नहीं सकता

शुतुरमुर्ग एक ऐसा पक्षी है जो दौड़ सकता है पर उड़ नहीं सकता। इसका बदन बहुत भारी होता है। गर्दन लम्बी होती है ऊंट की तरह और पंख बहुत खूबसूरत। इस पर जब मुसीबत आती है तो यह भागता तो है पर अपना मुंह धरती में धंसा कर खड़ा हो जाता है और समझता है कि सुरक्षित हो गया है। शुतुरमुर्ग एक साथ बहुत से अंडे देता है। ये अंडे लगभग एक फिट व्यास के होते हैं। इनके ऊपर की परत बहुत मोटी और मजबूत होती है। इस अंडे को न तो शेर तोड़ पाता है और न लोमड़ी और न भेड़िया। मगर गिद्ध इसे तोड़ लेता है। इसे तोड़ने के लिए वह चोंच या पंजे से प्रहार नहीं करता। जिस प्रकार कभी कौए ने घड़े में से पानी पीने के लिए कंकड़ों का सहारा लिया था, वैसे ही गिद्ध बड़ा सा कंकड़ चोंच में पकड़ कर शुतुरमुर्ग के अंडे पर जोर से मारता है। और एक ही स्थान पर ऐसा बार-बार करता है इससे अंडे की परत में गड्ढा हो जाता है और गिद्ध उस गड्ढे में से अपनी चोंच डालकर अपना पेट भर लेता है। है न आश्चर्यजनक बात।

